राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार,10फरवरी–2023 वर्ष–6,अंक–18 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राहुल के बाद खड़गे के बयानों पर भी चली कैंची

पीएम मोदी और अडानी के संबंध वाले अंश कार्यवाही से हटाए गए

नई दिल्ली। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान बुधवार को राज्यसभा में जमकर बहस हुई। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ना केवल मोदी सरकार पर हमला बोला बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के बारे में निजी तौर पर भी बहुत कुछ कह गए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर कारोबारी अडानी के साथ रिश्ते को लेकर आरोप लगाए। हालांकि उनके इन बयानों को सदन की कार्रवाई से हटा दिया गया है। वहीं बुधवार को प्रधानमंत्री ने लोकसभा में जवाब दिया था। वह राज्यसभा में भी अभिभाषण पर जवाब देंगे। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कई बार स्पीकर से भी ऐसी बातें कहीं जिनको कार्यवाही से हटा दिया गया। खड़गे ने कहा था कि मोदी सरकार के पास इंटरेस्टिंग वॉशिंग मशीन है जिसमें भ्रष्टाचारियों को क्लीन किया जाता है। इसके अलावा उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार में कई उद्योगपतियों की संपत्ति बहुत बढ़ गई है। खड़गे ने ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जो कि पीएम मोदी पर निजी हमले की तरह थे।

राहुल गांधी के भाषण के अंश भी हटाए गए थे

लोकसभा में राहुल गांधी ने भी अपने भाषण में कई निजी हमले किए थे। उनके भाषण के अंशों को कार्यवाही से हटाया गया था। उन्होंने पूछा था कि पीएम ने अपनी विदेश यात्राओं में कितनी बार अडानी के साथ यात्रा की? इसपर सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा था कि आखिर इन शब्दों में असंवैधानिक क्या था। इन्हें कैसे हटाया जा सकता है? वहीं कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा था कि शब्दों को हटाने के नियमों पर विचार करने के बाद ही ऐसा किया जाना चाहिए।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने सदन के बाहर कहा, पीएम मोदी हमेशा मुद्दों को भटकाने में लगे रहते हैं। वह चाहते हों कि लोगों को लगे कि वही सच है जो कि वह बोल रहे हैं। सदन में उनसे अडानी के बारे में कई सवाल पूछे गए लेकिन वे जवाब नहीं देते हैं। बता दें कि भाजपा ने अपने सांसदों को 13 फरवरी तक लोकसभा में उपस्थित रहने के लिए 3 लाइन का विप जारी किया था। बताते चलें कि अडानी समूह को लेकर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट और शेयरों में गिरावट को लेकर विपक्ष मोदी सरकार को घेरने की कोशिश में लगा हुआ है। इसको लेकर कई विपक्षी नेता सदन में स्थगन प्रस्ताव देकर चर्चा की मांग कर रहे थे।

तुर्की, सीरिया में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर15 हजार के पार

अंकारा/दमिश्क। तुर्की और सीरिया में सोमवार को आये विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 15,383 हो गयी है।

यहां काम कर रहे बचाव दलों और प्रशासन ने यह जानकारी दी।

तुर्की की समाचार एजेन्सी ने अनादोलु ने गुरुवार को आपदा और आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण का हवाला देते हुए बताया कि विनाशकारी भूकंप के कारण तुर्की में मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 12,391 तक पहुंच गई है।

इसी तरह सीरिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि सीरिया में कम से कम 1 हजार 262 लोग मारे गए और 2,285 लोग सरकारी कब्जे वाले क्षेत्रों में घायल हुए। मीडिया रिपोर्टों में बचावकर्मियों का हवाला देते हुए कहा गया है कि सीरिया में विपक्ष के कब्जे वाले क्षेत्र में कम से कम 1,730 लोग मारे गए और 2,850 से अधिक घायल हुए।

सोमवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 4ः17 बजे तुर्की के दक्षिणी प्रांत कहारनमारस में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया, इसके कुछ मिनट बाद देश के दक्षिणी प्रांत गजियांटेप में 6.4 तीव्रता का भूकंप आया और दोपहर 1ः24 बजे 7.6 तीव्रता का भूकंप आया था।

इस बीच बुधवार को एक 82 सदस्यीय चीनी बचाव दल चार्टर्ड विमान एयर चाइना पर 8,000 किमी से अधिक की उड़ान भरने के बाद स्थानीय समयानुसार सुबह 4ः30 बजे तुर्की के अदाना हवाई अड्डे पर पहुंचा।

मुम्बई के निवासियों को वह सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी जिसके वे हकदार हैं–शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आश्वासन दिया है कि मुंबईकरों को वह सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी जिसके वे हकदार हैं।

श्री शिंदे गत रात मराठी समाचार चैनल की ओर से आयोजित %संकल्प महाराष्ट्र% संगोष्ठी में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि, मुंबई शहर की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए 6 हजार 500 करोड़ रुपये की लागत से कंक्रीट सड़क का काम चल रहा है। जगह-जगह सौंदर्यीकरण का काम चल रहा है। यातायात की भीड़ को कम करने के लिए मेट्रो का विस्तार चल रहा है। इसके साथ ही तटीय सड़क के काम में तेजी लाई गई है।

उन्होंने कहा कि %बालासाहेब ठाकरे आपला दवाखाना% के माध्यम से नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

श्री शिंदे ने इस अवसर पर कहा कि मुंबई महाराष्ट्र की राजधानी है। यह देश की आर्थिक राजधानी भी है। मुंबई शहर में देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर से पर्यटक आते हैं। इस पृष्ठभूमि के

खिलाफ, विभिन्न विकास परियोजनाओं को लागू किया जा रहा है। मुंबई-गोवा हाईवे के चौड़ीकरण का काम तेज कर दिया गया है। जर्जर भवनों का सुनियोजित तरीके से विकास किया जाएगा। कोली बंधुओं की सुविधा के लिए तटीय सड़क के नेविगेशन में सुधार किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के माध्यम से रेलवे सहित बुनियादी सुविधाओं की सुविधाओं के लिए धन उपलब्ध कराया जा रहा है।

देशभर में कोरोना से निजात पाने वालों की संख्या में हुई वृद्धि

नयी दिल्ली। देश भर में पिछले 24 घंटों के दौरान 111 लोग कोरोना संक्रमण से स्वस्थ हुए हैं, जिससे कोविड से निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 4,41,51,219 हो गयी है। स्वस्थ होने वालों की दर 98.80 प्रतिशत पर पहुंच गयी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 220.61 करोड़ से अधिक टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि देश में कोरोना के सक्रिय मामले घटकर 1,781 रह गए हैं और इसी अवधि में कोरोना वायरस संक्रमण से एक मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या 5,30,748 हो गयी है और मृत्युदर 1.19 फीसदी पर बनी हुई है।

देश में पिछले 24 घंटे में आठ राज्यों और दो केन्द्र शासित प्रदेश में कोरोना संक्रमण के नए मामले सामने आए हैं और शेष

राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों में इनकी संख्या में कमी आयी है।

राष्ट्रीय राजधानी में पिछले 24 घंटे में एक सक्रिय मामला बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 12 हो गई है। राज्य में इस महामारी से उबरने वालों की संख्या बढ़कर 19,80,879 हो गई है और मृतकों की संख्या 26,522 पर स्थिर है। इस अवधि में केरल में दो सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 1,213 रह गयी है, जबकि इससे निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 67,57,182 पर पहुंच गयी है और मृतकों का आंकड़ा 71,579 पर बरकरार है।

कर्नाटक में पिछले 24 घंटे में छह सक्रिय मामले घटने से, इनकी कुल संख्या घटकर 108 रह गयी। इस महामारी से अब तक 40,32,685 लोग स्वस्थ हो चुके हैं और अभी तक कुल 40,309 मरीजों की मृत्यु हो चुकी है।

इसके अलावा, महाराष्ट्र में कोरोना के दो सक्रिय मामले बढ़ने से सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 83 हो गयी है। इस दौरान 13 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 79,88,737 तक पहुंच गयी है और राज्य में मृतकों का आंकड़ा 1,48,421 पर स्थिर है।

हिमाचल प्रदेश के ऊना में लगी आग में चार बच्चे जिंदा जले

हमीरपुर/ऊना। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के अम्ब अनुमंडल में बुधवार की रात आग लगने की घटना में एक बच्ची समेत चार बच्चे जिंदा जल गये।

आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

थानाधिकारी आशीष पठानिया ने बताया कि अंब में बुधवार देर रात बिहार में दरभंगा जिला निवासी भदेश्वर दास और रमेश दास की फूस की झोपड़ियों में दुर्घटनावश आग लग गयी जिसमें 4 बच्चों की मौत हो गयी। मृतकों में रमेश दास के तीन बच्चे नीतू (14), गोलू कुमार (7), शिवम कुमार (6) और उनके रिश्तेदार कालिदास का पुत्र सोनू कुमार (17) शामिल हैं। जो दुर्घटना के समय रमेश दास की झोपड़ी में सो रहा था।इस आग

में करीब 30 हजार रुपए भी जलकर राख हो गए।

आग लगने की सूचना मिलते ही अंब से तत्काल दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग को और ज्यादा फैलने से रोका।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू और उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने इस दुखद घटना पर दुख व्यक्त किया है और अधिकारियों से प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत प्रदान करने को कहा है।

मस्जिद में नमाज पढ़ सकती हैं महिलाएं, सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कहा- लेकिन पुरुष नमाजियों के साथ न बैठें

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि महिलाएं चाहें तो मस्जिद में जाकर नमाज पढ़ सकती हैं। इस्लाम में महिलाओं के मस्जिदों में नमाज पढ़ने पर कोई मनाही नहीं है, बशर्ते वे पुरुष नमाजियों के बीच या उनके साथ न बैठें। अगर किसी मस्जिद कमेटी ने इसके लिए अलग जगह निर्धारित की है तो महिलाएं वहां जा सकती हैं। दरअसल पुणे की एक मुस्लिम महिला और एडवोकेट फरहा अनवर हुसैन शेख ने 2020 में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। जिसमें कहा गया था कि मस्जिदों में महिलाओं की एंट्री पर लगी रोक को अवैध घोषित किया जाए।

बोर्ड ने जो हलफनामा दिया है उसमें कहा है कि महिला चाहे तो मस्जिद में नमाज के लिए जाएं या न जाएं, ये तय

करना उनके हाथ में है। मुस्लिम महिलाओं को 5 वक्त की नमाज या जमात में जुमे की नमाज करने की बाध्यता नहीं है। महिला नमाज घर पर पढ़े या मस्जिद में, उसे एक सा सवाब (पुण्य या फल) मिलेगा। ये पुरुषों के लिए ऐसा नहीं है, उनके लिए मस्जिद में ही नमाज पढ़ने का नियम है।

याचिकाकर्ता का दावा- कुरान में जिक्र नहीं-फरहा ने अपनी याचिका में दावा किया था कि इस्लाम के पवित्र ग्रंथ कुरान में इसका जिक्र नहीं है कि महिलाएं मस्जिद में नहीं जा सकती। इस प्रतिबंध से मुस्लिम महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन के साथ-साथ सम्मान के साथ जीवन जीने के अधिकार का भी हनन होता है।

फरहा ने अपनी बात साबित करने के लिए कहा था कि मक्का और मदीना में महिला तीर्थयात्री अपने परिवार के पुरुषों (महरम) के साथ ही हज और उमरा करती हैं। हलफनामे में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने याचिकाकर्ता के तर्क को सिरे से खारिज कर दिया। बोर्ड ने कहा- मक्का या मदीना में पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं हैं। महिला-पुरुषों का अलगाव इस्लामिक धर्मग्रंथों में दी गई एक धार्मिक जरूरत थी। इसे खत्म नहीं किया जा सकता था। हलफनामे में कहा गया है, मदीना-मक्का के संबंध में याचिकाकर्ता का स्टैंड पूरी तरह से गलत है और भ्रामक है। मस्जिद ए हरम को इस्लाम में अलग तरह से रखा गया है। जहां तक बात मक्का की है, वहां पुरुष और महिला दोनों को सलाह दी जाती है कि वे तवाफ करते वक्त एक-दूसरे से दूरी बनाए रखें। जैसे ही वहां इबादत शुरू होती है, पुरुष और महिलाएं अलग-अलग होकर समूह बना लेते हैं। भारत में मस्जिद कमेटियां महिलाओं के लिए अलग जगह बनाने के लिए आजाद है। मुस्लिम समुदाय से भी अपील है कि जब भी नई मस्जिदें बनाई जाएं तो महिलाओं के लिए अलग जगह का ध्यान रखें।

गोवा चुनाव में लगाए दिल्ली के शराब घोटाले के पैसे, ईडी ने किया गिरफ्तार; आप की बढ़ेंगी मुश्किलें?

नई दिल्ली। दिल्ली के शराब घोटाले में जांच एजेंसियों का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। एक के बाद एक आरोपियों की गिरफ्तारी हो रही है। इस क्रम में गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय ने एक एडवरटाइजिंग कंपनी के मालिक को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि शराब घोटाले में मिली रिश्वत रकम इन तक पहुंची थी। एक दिन पहले ही सीबीआई ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के पूर्व सीए को गिरफ्तार किया है। 2021-22 के लिए बनी एक्साइज पॉलिसी में निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाकर 100 करोड़ रुपए की रिश्वत लेने का आरोप है। सीबीआई और ईडी की ओर से दर्ज किए गए केस में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी आरोपी हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैरियट प्रॉडक्शन मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के मालिक राजेश जोशी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि जोशी ने गोवा विधानसभा चुनाव के लिए शराब घोटाले में मिली रिश्वत को प्राप्त किया था। हाल ही में ईडी की ओर से दायर सप्लीमेंट्री चार्जशीट में ईडी ने

दावा किया है कि शराब घोटाले से मिली रकम का इस्तेमाल आम आदमी पार्टी (आप) ने गोवा विधानसभा चुनाव में भी किया।

राजेश जोशी ने कथित तौर पर अपनी एडवरटाइजिंग कंपनी के जरिए गोवा विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए शराब घोटाले के आरोपी दिनेश अरोड़ा से 30 करोड़ रुपए प्राप्त किए। दिनेश अरोड़ा आप के विजय नायर के साथ मिलकर काम कर रहे थे। ईडी ने पाया कि जोशी को मिले 30 करोड़ रुपए शराब घोटाले से की गई अवैध

राजेश जोशी ने कथित तौर पर अपनी एडवरटाइजिंग कंपनी के जरिए गोवा विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए शराब घोटाले के आरोपी दिनेश अरोड़ा से 30 करोड़ रुपए प्राप्त किए।

कमाई के थे। ईडी ने अभी तक इस केस में 2 चार्जशीट दायर की है और राजेश जोशी समेत 8 लोगों को गिरफ्तार किया है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने पंजाब के कारोबारी गौतम मल्होत्रा को गिरफ्तार किया, जो शिरोमणि अकाली दल के पूर्व विधायक और शराब कारोबारी दीप मल्होत्रा के बेटे हैं। सीबीआई ने हैदराबाद के सीए और के कविता के पूर्व ऑडिटर बुचिबाबू गोरांटला को भी गिरफ्तार किया है। घोटाले के आरोपों पर सीबीआई और ईडी की जांच शुरू होने के बाद पिछले साल केजरीवाल सरकार ने शराब नीति को वापस ले लिया था। आबकारी विभाग संभालने वाले मनीष सिसोदिया, आप के कुछ नेता, अफसर और शराब कारोबारी जांच एजेंसियों की रडार पर हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पाकिस्तान में कैसा इस्लाम?

(लेखक/ डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

पिछले हफ्ते दुबई में मुझे कई अफगान और पाकिस्तानी मिले। सब के सब पाकिस्तान के हालात पर बहुत परेशान दिखे। आर्थिक दृष्टि से तो पाकिस्तान का संकट सारी दुनिया को पता चल ही गया है लेकिन अभी-अभी वहां के मानव अधिकार आयोग की जो ताजा रपट आई है, उसे देखने से पता चलता है कि पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों- हिंदुओं, ईसाइयों, सिखों, शियाओं और अहमदिया लोगों की हालत कितनी बुरी है। उनके मंदिरों, गिरजों, गुरूद्वारों और मस्जिदों के जलाए जाने की खबरें तो टीवी चैनलों और अखबारों में छपती ही रहती हैं। वे छिपाए भी नहीं छिपती हैं। लेकिन वहां गैर-मुस्लिमों को मार-मारकर जो मुसलमान बनाया जाता है, उसके बारे में जो ताजा तथ्य और आंकड़े सामने आए हैं, उनसे पाकिस्तान ही नहीं, इस्लाम की भी छवि मलिन होती है। पाकिस्तानी मानव अधिकार आयोग ने दावा किया है कि अकेले सिंध प्रांत में एक साल में 60 जबरन धर्मांतरण के किस्से सामने आए हैं। ये तो वे किस्से हैं, जो सामने आए हैं। जो सामने नहीं आते हैं, वो किस्से कई गुना ज्यादा हैं। पूरे पाकिस्तान में जबरन मुसलमान बनाए जानेवालों की संख्या हर साल सैकड़ों में होती है। इनमें ज्यादातर 14 से 20 साल की हिंदू लड़कियां होती हैं, जिनका या तो अपहरण कर लिया जाता है या जिनसे बलात्कार किया जाता है। इनसे शादी करनेवाले मुसलमानों की उम्र इनसे प्रायः दुगुनी-तिगुनी होती है। इसे क्या हम धर्म-परिवर्तन कहेंगे? यदि कोई स्वेच्छा से समझ-बूझकर अपना धर्म बदलना चाहे तो उसे ही धर्म-परिवर्तन कहा जा सकता है लेकिन यह तो अधार्मिक बलात्कार है। जो लोग यह अधार्मिक बलात्कार करते हैं, क्या उन्हें इस्लाम के सिद्धांतों से कुछ लेना-देना है? बिल्कुल नहीं। वे इस्लाम के नहीं, अपनी वासना के गुलाम हैं। ऐसे लोगों को दंडित करना किसी भी इस्लामी राज्य का पुनीत कर्तव्य है लेकिन पाकिस्तान में इसका उल्टा होता है। वासना या अंधभक्ति से प्रेरित ऐसे लोगों को दंडित करने की बजाय पाकिस्तान का कानून 'इस्लामद्रोहियों' को मौत की सजा देने को तैयार रहता है। इस्लामद्रोहियों को धर्मद्रोही कहा जाता है और उन्हें फांसी पर लटका दिया जाता है। अदालत और सरकारें तो उनके खिलाफ बाद में कार्रवाई करती हैं। उनके पहले ही इस्लामप्रेमी लोग उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं। उन्होंने इस्लाम जैसे क्रांतिकारी मजहब को, जिसने अरबों के अंधकारमय जीवन में रोशनी लाई थी, अब शुद्ध पोंगापंथ का रूप दे दिया है। इस्लाम के नाम पर क्या-क्या नहीं चल पड़ा है? पाकिस्तान यदि इस्लामी राष्ट्र है, जैसा कि वह दावा करता है तो वहां हर बड़े घर में शराबखाने क्यों खुले हुए हैं? बेगुनाह लोगों की हत्या क्यों की जाती है? पाकिस्तान दुनिया का सबसे भयंकर आतंकवादी देश क्यों बन गया है? क्या वजह है कि अब दुनिया के कई मालदार इस्लामी राष्ट्र भी पाकिस्तान की डूबती हुई आर्थिक नय्या को उबारने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं?

बाजार की जरूरत-सुविधाएं हों रेलवे की प्राथमिकता

यह स्थिति काफी समय से भारतीय रेल के लिए चिंता का कारण बनी हुई है और अनेकानेक कमेटियों ने भारतीय रेल के गिरते बाजार हिस्से को थामने हेतु कई उपाय सुझाए दिए हैं। इन सुझावों पर कितनी हद तक अमल हुआ, यह तो मालूम नहीं है लेकिन तथ्य यह है कि बाजार-हिस्सा घटता गया। गिरावट थामने में विफल रहने के बाद भारतीय रेल ने घटते धंधे के कारण जानने को राइट्स (रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकॉनोमिक सर्विस) नामक प्रकोष्ठ बनाया। राइट्स ने वर्ष 1997 में अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी।

सरबजीत अर्जन सिंह

वर्ष 2023-24 के बजट में रेलवे के लिए 2.4 लाख करोड़ रुपये रखे गए हैं, यह आज तक मिली बजटीय राशि का सर्वाधिक है। यह मद पिछले 2022-23 वित्तीय वर्ष के प्रावधान से 1 लाख करोड़ रुपये अधिक है। क्या इतने विशाल स्तर का निवेश होने से भारतीय रेलवे की माल ढुलाई क्षमता बढ़ पाएगी? राष्ट्रीय सुप्रचालन नीति में देश के सकल माल ढुलाई और आवागमन व्यवसाय में भारतीय रेलवे का मौजूदा 28 प्रतिशत हिस्सा बढ़ाकर 40 फीसदी करने का लक्ष्य रखा गया। लेकिन यह प्राप्ति भारतीय रेलवे की वर्तमान व्यावसायिक शैली में बदलाव लाए बिना संभव नहीं। वर्ष 1990-91 में भारतीय रेल का हिस्सा सकल माल ढुलाई आवागमन में 62 फीसदी था, जो इसके बाद लगातार घटता गया और वर्ष 2014-15 आते-आते 27 फीसदी रह गया और तब से इसी आंकड़े के आसपास अटका हुआ है, जबकि बीच-बीच में क्षमता विस्तार हेतु विशाल निवेश भी किए गए। यह स्थिति काफी समय से भारतीय रेल के लिए चिंता का कारण बनी हुई है और अनेकानेक कमेटियों ने भारतीय रेल के गिरते बाजार हिस्से को थामने हेतु कई उपाय सुझाए दिए हैं। इन सुझावों पर कितनी हद तक अमल हुआ, यह तो मालूम नहीं है लेकिन तथ्य यह है कि बाजार-हिस्सा घटता गया। गिरावट थामने में विफल रहने के बाद भारतीय रेल ने घटते धंधे के कारण जानने को राइट्स (रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकॉनोमिक सर्विस) नामक प्रकोष्ठ बनाया। राइट्स ने वर्ष 1997 में अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। इस अध्ययन का मुख्य निष्कर्ष था कि भारतीय रेल गारंटी से समयसीमा में माल पहुंचाने वाली सेवा नहीं बना पाई और मांग के मुताबिक ढुलाई क्षमता बढ़ाने वाली प्रणाली भी नहीं बनाई गई है। इससे वस्तु आवागमन का झुकाव थलीय परिवहन की ओर होता चला गया। इसके अलावा, क्रियान्वयन एवं संगठनात्मक कमियां जैसे कि ग्राहक की बदलती जरूरतों के अनुरूप खुद को ढालना और परिवहन के अन्य साधनों से मिलने वाली प्रतिद्वंद्विता कारक रहे। भारतीय रेल न केवल माल ढुलाई को अपनी ओर आकर्षित करने की खातिर नए व्यावसायिक एवं विपणन तौर-तरीके अपना पाई बल्कि उद्योग जगत में 'माल भेजना हो भेजो, वर्ना रास्ता नापो' वाली अपनी छवि भी नहीं तोड़ सकी। लगता है राइट्स द्वारा रिपोर्ट सौंपे जाने के 25 साल बाद भी स्थिति वस्तुतः जस की तस है, जैसा कि बिबेक देवरॉय कमेटी द्वारा 2015 में 'विशाल रेलवे परियोजनाओं हेतु स्रोत परिचालन और रेल मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड की पुनर्संरचना रिपोर्ट' भी बताती है। राष्ट्रीय सुप्रचालन नीति के लक्ष्य के अनुसार यदि भारतीय रेल को माल ढुलाई में पुराना रुतबा पाना है तो जिस काम को यह अपना मूल उद्देश्य समझती है, उस पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। चूंकि किसी भी धंधे के पीछे प्रयोजन होना आवश्यक होता है लिहाजा भारतीय रेल का उद्देश्य भी काफी गहरा है और यह महज यात्री रेलगाड़ी परिचालन वाली मूल गतिविधि से परे है। भारतीय समाज के लिए भारतीय रेल का महत्व कितना है, इसका पता किसी संकट की घड़ी में एकदम स्पष्ट हो जाता है, मसलन जब बिजलीघरों का कोयला-स्टॉक कम होने से लंबे बिजली कटों की नौबत बने या फिर जब कोरोना आपदा में ऑक्सीजन आपूर्ति हेतु विशेष कॉरिडोर बनाने की जरूरत आन पड़े। भारतीय रेल हमारे समाज का मुख्य प्रचालन अंग है, जिसका काम जनहित में माल ढुलाई और यात्री परिवहन सेवा देना है। यदि प्रतिस्पर्धा बाजार में अपना हिस्सा बढ़ाना है तो यह केवल उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ाकर ही हो पाएगा। इसलिए भारतीय रेल का केवल एक ही व्यावसायिक प्रयोजन होना चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा ग्राहक आकर्षित हों और बंधे रहें- वह जो सेवा का मोल जानते हैं और इसके लिए पैसा चुकाने को भी तैयार हैं। रेलवे को ग्राहक की जरूरतों के अनुसार ढलना होगा न कि उम्मीद करे कि जो भी-जैसा भी करे, वह उसे मंजूर हो। दुर्भाग्यवश, भारतीय रेल ने इस लीक विशेष को ध्यान में रखकर नहीं सोचा। यह अपना मूल काम यात्री रेलगाड़ियां चलाने से परिभाषित करती रही, हालांकि कहीं नहीं लिखा कि यही भारतीय रेल का मुख्य प्रयोजन है। नतीजतन, इसकी कार्यप्रणाली में व्यवसाय के दो अति आवश्यक अवयव यानी विपणन और नवोत्थान लगभग नदारद रहे। यदि भारतीय रेल को ढुलाई बाजार में अपना हिस्सा फिर से पाना है तो टिकाऊ धंधे की उद्देश्य प्राप्ति में विपणन की भूमिका की अहमियत स्वीकार करनी होगी। सेवा-प्रदान और धंधा बढ़ाने का काम केवल आम व्यावसायिक विभाग को सौंप देना काफी नहीं है। विपणन का आयाम निरोल सेवा-प्रदाता बने रहने से कहीं अधिक विस्तृत है और इसके दायरे में समूचा व्यवसाय आता है। भारतीय रेल को अंतिम परिणाम उपभोक्ता के नज़रिए से देखने की जरूरत है। इससे मनोरथ है कि कैसे भारतीय रेल को अपनी सोच और व्यवसाय प्रबंधन में बड़ा अंतर लाना चाहिए। अब यदि भारतीय रेल का कामकाज नवनिर्मित भारतीय रेल प्रबंधन सेवा से चालित होने जा रहा है तो उम्मीद करें कि नई सोच भी पैदा कर पाएगी। विपणन को ध्यान का केंद्र बनाना आवश्यक है। इसके लिए, भारतीय रेल को मजबूत नवोत्थान व्यवस्था बनाने की जरूरत है जो ऐसी सेवाएं दे सके, जिनका महत्व उपभोक्ता के लिए है। भारतीय रेल चाहे तो अमेरिकी रेल मॉडल अपना सकती है, जिसके पास दो नवोत्थान केंद्र हैं। एक का काम है परिवहन संचालन यानी इंजन, डिब्बे, मालगाड़ी, पटरियां, सिग्नल और संचार इत्यादि का प्रबंधन करना तो दूसरा नई यात्री एवं माल ढुलाई सेवाएं विकसित करने, अपने धंधे की नई मांग पैदा करने और परिवहन के नए स्रोत विकसित करने का काम देखता है। भारतीय रेल में नवोत्थान को सफल करने में समूचे संगठन की भागीदारी आवश्यक है और प्रत्येक कार्यकारी विभाग को नए तौर-तरीके अपनाकर योगदान करना होगा। इन क्रियाओं को उच्चतम स्तर पर बढ़ावा देना होगा। इसके पास पहले से सदस्य (संचालन एवं व्यवसाय विकास) नामक पद है, इसके अंतर्गत एक विपणन निदेशालय बनाकर संतुष्ट और स्थाई ग्राहक बनाने की ओर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है। इस हेतु सदस्य (नवोत्थान) का पद सृजन या फिर मुख्य कार्यकारी अधिकारी अथवा सदस्य (संचालन एवं व्यवयाय) के नीचे एक वरिष्ठ संचालक बनाकर कामकाज की निगरानी की जा सकती है। यह पदनाम उपभोक्ता की उम्मीदों पर पूरा उतरने के लिए संगठन को नवोत्थान के उपाय निरंतर बनाने में मददगार हो सकता है। उम्मीद करें कि भारतीय रेल नए-नए उपभोक्ता बनाने और नवोत्थान से ऐसी नूतन सेवाएं देगी जिनका उपभोक्ता के लिए महत्व है। अगर ऐसा होता है, तो आशा है कि राष्ट्रीय सुप्रचालन नीति के मुताबिक ढुलाई बाजार में अपनी भागीदारी 40 फीसदी करने का लक्ष्य पाने में भारतीय रेल पुनः परिवहन एवं माल ढुलाई का पसंदीदा माध्यम बनकर उभरेगी। बजटीय प्रावधान में बुनियादी ढांचे के लिए रखी गई लगभग 2.4 लाख करोड़ की राशि क्षमता में कमियों को दूर कर पाएगी।

लेखक भारतीय रेल में महाप्रबंधक रहे हैं।

आज का राशीफल

मेष दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृषभ जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। धन लाभ की संभावना है। प्रियजन भेंट संभव।

मिथुन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। नेत्र विकार की संभावना है। अपनों से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। खान पान में संयम रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। पिता या उच्चाधिकारी के कृपापात्र बनेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधियों का पराभव होगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

धनु व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाणी की सौम्यता को बनाये रखना ही हितकर होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

रेपो दर में वृद्धि मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करते हुए रुपए को मजबूती भी प्रदान करेगी

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

दिनांक 08 फरवरी 2023 को भारतीय रिजर्व बैंक ने एक बार पुनः रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि करते हुए इसे 6.5 प्रतिशत के स्तर पर पहुंचा दिया है। मई 2022 के बाद से भारतीय रिजर्व बैंक ने छठी बार रेपो दर में यह वृद्धि की है एवं अब कुल मिलाकर 250 आधार बिंदुओं की वृद्धि रेपो दर में की जा चुकी है। हालांकि, भारत के कई अर्थशास्त्रियों द्वारा इसका अनुमान पूर्व से ही लगाया जा रहा था क्योंकि एक तो मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में बनाए रखना बहुत आवश्यक है और दूसरे वैश्विक स्तर पर अभी भी, विशेष रूप से विकसित देशों में, मुद्रा स्फीति की दर लगातार उच्च स्तर पर बनी हुई है एवं ये देश इसे नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करते जा रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, फ़्रान्स, जर्मनी आदि देशों ने अभी हाल ही में ब्याज दरों में 25 आधार बिंदुओं से लेकर 50 आधार बिंदुओं तक की वृद्धि की घोषणा की है। अमेरिका में फेडरल रिजर्व ने तो अप्रेल 2022 के बाद से 425 आधार बिंदुओं की वृद्धि अपनी ब्याज दर में की है। इन देशों द्वारा ब्याज दरों में तुलनात्मक रूप से अधिक वृद्धि किए जाने से इन देशों की मुद्रा भारतीय रुपए की तुलना में अधिक मजबूत होने लगती है और भारतीय रुपया अंतरराष्ट्रीय बाजार में यदि इन देशों की मुद्रा की तुलना में कमजोर होता है तो भारत में आयात किए जाने वाले उत्पाद महंगे होने लगते हैं जिससे भारत में आयातित मुद्रा स्फीति की दर में वृद्धि होने लगती है। अतः भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत बनाए रखना भी बहुत आवश्यक है। चूंकि आयातित महंगाई दर के अतिरिक्त, भारत में महंगाई की दर अब बहुत बड़ी हद्द तक नियंत्रण में आ चुकी है अतः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अब यह उम्मीद की जा रही है कि थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर मई एवं जून 2023 माह में ऋणात्मक हो जाने की सम्भावना है वहीं खुदरा मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर अप्रेल 2023 में 4.5 प्रतिशत के नीचे आ जाने की सम्भावना है। भारत में महंगाई दर के नियंत्रण में बने रहने के चलते वित्तीय वर्ष 2023-24 के प्रथम तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर के रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। अर्थात, महंगाई दर पर नियंत्रण, देश की विकास दर को आगे बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध हो रहा है। जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में सकल घरेलू उत्पाद में 7 प्रतिशत की वृद्धि की सम्भावना व्यक्त की गई है। साथ ही, भारतीय स्टेट बैंक का मासिक मिश्रित इंडेक्स भी दिसम्बर 2022 माह के 55.9 के स्तर से बढ़कर जनवरी 2023 माह में 56.1 के स्तर पर पहुंच गया है जो कि उत्पादन के क्षेत्र में उच्च वृद्धि दर को दर्शा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में की जा रही वृद्धि का आशय सदैव यह कदापि नहीं होता है कि इतनी ही दर से बैंकों द्वारा भी बाजार में ऋणराशि एवं जमाराशि की ब्याज दरों में वृद्धि कर दी जाएगी। रेपो दर में वृद्धि का प्रभाव केवल विभिन्न बैंकों द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक से लिए जाने वाले कर्ज की ब्याज दर पर ही पड़ता है एवं हालांकि यह बाजार को आभास दिलाने का कार्य भी करता है कि बैंकों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की सम्भावना बन रही है। मई 2022 से लेकर अभी तक भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 250 आधार बिंदुओं की वृद्धि की घोषणा की है जबकि बैंकों द्वारा इसी अवधि के दौरान विभिन्न समयकाल की सावधिक जमाराशि पर केवल 150 आधार बिंदुओं की वृद्धि की गई है और रेपो दर से लिंकड नए ऋणों पर केवल 125 आधार बिंदुओं की वृद्धि की गई है। दरअसल, भारत में लगातार तेज हो रही विकास की गति के चलते बैंकों की ऋणराशि में वित्तीय वर्ष 2022-23 की 13 जनवरी 2023 को समाप्त अवधि तक 13.90 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि 11.7 प्रतिशत की दर से अर्जित की गई है जबकि इसी समय अवधि के दौरान जमाराशि में 12 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि 7.3 प्रतिशत की दर से दर्ज हुई है। इस प्रकार, स्पष्ट रूप से तरलता पर कुछ दबाव दिखाई दे रहा है। भारत में ऋण-जमा अनुपात भी लगभग 75 प्रतिशत तक आ गया है एवं औद्योगिक इकाईयों की उत्पादन क्षमता का दोहन भी लगभग 75 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। इस प्रकार आगे आने वाले समय में ऋण की मांग में और अधिक वृद्धि होने की भरपूर सम्भावनाएं बन रही हैं। बैंकों द्वारा जमाराशि पर ब्याज दरों को इसलिए भी आकर्षक बनाया जा रहा ताकि बैंकों की जमाराशि में अधिक वृद्धि हो और इस प्रकार इन बैंकों की ऋण प्रदान करने की क्षमता में वृद्धि होती रहे। देश में तरलता से सम्बंधित किसी भी प्रकार की समस्या न होने पाए इसके लिए केंद्र सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक लगातार कई प्रयास कर रहे हैं। देश में वित्तीय अनुपालन में लगातार हो रहे सुधार के चलते वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान केंद्र सरकार द्वारा करों की उगाही में जबरदस्त सुधार दृष्टिगोचर है। इससे केंद्र सरकार को बाजार से ऋण लेने की इस वर्ष कम आवश्यकता महसूस हुई है, जिसके कारण भी देश में तरलता की समस्या उत्पन्न नहीं हुई है और बैंकों के ऋणों में भारी भरकम वृद्धि के बावजूद अभी तक तरलता का आधिक्य ही बना हुआ है।

विकसित देशों के सम्बंध में अभी तक तो यह कहा जाता रहा है कि इन देशों में ब्याज दर में वृद्धि अथवा कमी का प्रभाव मुद्रा स्फीति पर तुरंत दिखाई देने लगता है परंतु अभी हाल ही के समय में यह पाया जा रहा है कि पिछले लगभग एक वर्ष से इन देशों द्वारा ब्याज दरों में लगातार की जा रही वृद्धि का प्रभाव मुद्रा स्फीति पर अंकुश के मामले में कोई बहुत बड़ा असर करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जबकि भारत जैसे विकासशील देश में ब्याज दर में की गई वृद्धि का असर मुद्रा स्फीति पर तुलनात्मक रूप से कुछ शीघ्रता से होता दिखाई दे रहा है, इसके पीछे अन्य कई कारणों के अलावा केंद्र सरकार की राजकोषीय नीति एवं भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति में आपसी तालमेल का होना भी एक महत्वपूर्ण मुख्य कारण है।

विचार मंथन

संसद में सांसदों के बोलने पर सत्यापन की सेंसरशिप?

(लेखक- सनत जैन)

संसद के अंदर सांसदों के बोलने पर क्या सेंसरशिप लागू की जा रही है? राष्ट्रपति के अभिभाषण पर संसद की कार्रवाई शुरू होने के बाद लोकसभा और राज्यसभा में जो नजारे देखने को मिले। संसद में सांसदों के बीच में जो चर्चाएं हो रही थी। उसके अनुसार सत्ता पक्ष के सदस्य और सभापति द्वारा जिस तरह सदस्यों के बोलने के साथ ही, उनसे सत्यापन और पूर्व अनुमति की बात कह कर विपक्षी सांसदों को बोलने से रोक रहे थे। समय-समय आसंदी से भी यह कहा जाता रहा, कि आप अपने आरोपों को सत्यापित करके प्रस्तुत करें। राज्यसभा की आसंदी पर सभापति जयदीप धनखड़ बैठे हुए थे। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण के दौरान कई बार होने से आरोपों के सत्यापन को लेकर बार-बार सभापति द्वारा समझाइश दी गई। राज्यसभा में बार-बार नियमों का उल्लेख किया गया। उन्हें कई बार बोलने से रोका गया। इससे विपक्ष की नाराजगी भी देखने को मिली। टीवी पर जो दर्शक राज्यसभा की कार्यवाही देख रहे थे, उनके लिए भी यह आश्चर्य का विषय था। क्योंकि अमृत काल के पहले कभी भी सदस्यों संसद के अंदर इस तरह से बोलने से नहीं रोका गया। लोकसभा और राज्यसभा में बोलने की सांसदों को पूर्ण स्वतंत्रता होती है। लोकसभा और राज्यसभा में सांसदों द्वारा जो बोला जाता है, उसको कहीं पर भी चुनौती नहीं दी जा सकती है। ऐसी परंपरा हमेशा से रही है। नियम विरुद्ध यदि कोई सांसद कुछ बोल भी देता था, तो अध्यक्ष और सभापति को अधिकार होता था कि वह कार्यवाही से उसे हटवा दे। बोलने के पहले ही इस तरह का दबाव कभी भी सत्ता पक्ष या आसंदी द्वारा नहीं बनाया गया। तथ्य रखने के दौरान नेता प्रतिपक्ष को एंटी नेशनल शब्द का भी सामना करना पड़ा। हालांकि विपक्ष के विरोध करने के बाद तुरंत उसका स्पष्टीकरण भी आ गया। गुजरात हाईकोर्ट के एक फैसले का उल्लेख करते हुए, सदन में जो बात कही जा रही है। उसे भी सत्यापित करने के लिए कहा गया। ऐसा लग रहा था कि जैसे कोर्ट में कोई तथ्य प्रस्तुत हो रहे हों तथ्य को पहले सत्यापित करना जरूरी है। अन्यथा कोर्ट उसको स्वीकार नहीं करेगी। राज्यसभा के सभापति एक जाने-माने वकील भी हैं। संपूर्ण विपक्ष एकजुट होकर जेपीसी की जो मांग कर रहा था, उसको लेकर सदन की पहले भी परंपराएं रही हैं। संसद में जब बोफोर्स का मामला उठा था। उस समय भी अन्य देश की रिपोर्ट के आधार पर संसद में भारी बवाल हुआ, और बाद में जेपीसी का गठन हुआ। शेयर बाजार के हर्षद मेहता घोटाले के समय भी जेपीसी का गठन हुआ था। उस समय पर भी तत्कालीन प्रधानमंत्री पर सदन में आरोप विपक्ष ने लगाये थे। उस समय भी संसद की परंपरा और कार्यवाही में उस समय के विपक्ष को बोलने से ना तो रोका गया था, ना वह जो बोल रहे हैं, उसको सत्यापित करने के लिए कहा गया था। 26 साल में 6 बार जेपीसी का गठन किया गया है। अधिकांश में सरकार को क्लीन चिट मिली। बोफोर्स घोटाला, हर्षद मेहता कांड, केतन पारेख केस, सॉफ्ट ड्रिंक में पेस्टिसाइड का मामला, 2 जी स्पैक्ट्रम केस, वीवीआईपी हेलिकॉप्टर घोटाला इत्यादि में जेपीसी बनाई गयी। संसद में 2 जी घोटाला,कोल घोटाला एवं अन्य मामले में लोकसभा और राज्यसभा में उस समय के विपक्ष ने जमकर हंगामा मचा था। कई दिन तक संसद नहीं चली थी। उस समय भी सांसदों के संसद के अंदर बोलने पर कोई रोक नहीं थी। अध्यक्ष और आसंदी तय करती थी की सदस्य द्वारा यदि ऐसा कुछ बोला गया है जो संसदीय व्यवस्था अथवा नियमों के अनूप नहीं है, उन्हें सदन की कार्यवाही से निकालने की कार्यवाही की जाती थी। मंगलवार को लोकसभा में राहुल गांधी ने भी हिंडन बर्ग की रिपोर्ट और उसमें उठाए गए तथ्यों के आधार पर तथा एक औद्योगिक समूह के साथ सरकार और उनके रिश्तो को लेकर जो बात कही, वह संसद की कार्यवाही से हटा दिए जाने की बात सामने आई है। मलिकार्जुन खड़गे का जवाब राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया उसमें उन्होंने औद्योगिक समूह और लगाए गए आरोपों के बारे में क्या तथ्यों के बारे में कुछ नहीं कहा। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को कई बार सभापति द्वारा आरोपों को सत्यापित करने के लिए कहा। राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण के दौरान जिस तरीके की स्थितियां बनी। उसके बाद संसद की लाबी, राजनीतिक क्षेत्रों और आम जनता के बीच पहली बार यह चर्चा बनी, कि अब संसद में भी सांसदों के लिए सेंसरशिप लागू कर दी गई है।

सांसद भी वहां अपनी बात खुलकर नहीं कह सकते हैं। संसद भी अब कोर्टरूम की तरह चलेगी? हर सांसद को अपनी बात कहने के पहले यदि कोई आरोप अथवा तथ्य रखने होंगे, तो सांसद को दस्तावेज सत्यापित करके आसंदी की अनुमति होगी। इसे संसदीय सेंसरशिप से जोड़कर देखा जा रहा है। पिछले 7 दशक में संसद की जो परंपराएं, नियम और कानून थे, वह सब वहीं हैं। पहले जो विपक्ष में था, आज वह सत्ता पक्ष में है। जो पहले सत्ता पक्ष में थे, आज विपक्ष में है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वोक्सवैगन ने आईडी-4इलेक्ट्रिक एसयूवी की 21 हजार ईकाईयों को रिकॉल किया

सैन फ्रांसिस्को । जर्मन वाहन निर्माता वोक्सवैगन ने अपनी आईडी-4 इलेक्ट्रिक एसयूवी में से लगभग 21,000 को दोषपूर्ण बैटरी सॉफ्टवेयर के कारण वापस बुलाया है। एक रीसेट या निष्क्रिय करने से ड्राइव पावर का नुकसान हो सकता है, जिससे वापस बुलाए गए ईवीएस में दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। रिकॉल 26 मई, 2020 और 20 जनवरी, 2022 के बीच निर्मित 2021 मॉडल को प्रभावित करता है।यूएस में नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन (एनएचटीएसए) की एडवाइजरी के अनुसार, वोक्सवैगन कुछ 2021 आईडी.4 वाहनों को वापस बुला रहा है क्योंकि सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग हाई वोल्टेज (एचवी) बैटरी प्रबंधन नियंत्रण मॉड्यूल को पुनरारंभ करने या पल्स इन्वर्टर को निष्क्रिय करने का कारण बन सकता है। डीलर एचवी बैटरी मैनेजमेंट कंट्रोल यूनिट और पल्स इन्वर्टर कंट्रोल यूनिट सॉफ्टवेयर को मुफ्त में अपडेट करने वाले हैं। आईडी.4 ईवी समस्या का समाधान हाई-वोल्टेज बैटरी प्रबंधन नियंत्रण इकाई और पल्स इन्वर्टर नियंत्रण इकाई के लिए नया सॉफ्टवेयर है। फोर्ड ने पिछले साल 49,000 मस्टैंग मच-ई एसयूवी को इस चिंता के कारण वापस मंगाया था कि सुरक्षा दोष वाहन को गतिहीन बना सकता है।

गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट के शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली। गूगल की पैरेंट कंपनी को बीएआरडी की लॉन्चिंग के बाद 100 अरब डॉलर (लगभग 8,250 अरब रुपए) का नुकसान हुआ है। कंपनी की मार्केट वैल्यू 100 अरब डॉलर कम हो गई है। इसकी वजह गूगल के प्रमोशनल वीडियो में दी गई गलत जानकारी बताई जहा रही है। बुधवार को अमेरिकी बाजार में अल्फाबेट के शेयर 9 फीसदी तक गिर गए थे। इस हफ्ते गूगल ने अपना एआई चैटबॉट बीएआरडी लॉन्च किया है। दरअसल, जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप का इस्तेमाल ब्रह्मांड के अतीत की जांच के लिए किया जाता है। इसके काम को चार हिस्सों में बांटा गया है और इसे हबल टेलीस्कोप का सक्सेसर भी कहा जाता है। गूगल ने माइक्रोसाफट और ओपन एआई के चेटजीपीटी को टक्कर देने के लिए बीएआरडी का ऐलान तो कर दिया, लेकिन इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। गूगल अपने चैटबॉट को कब और कैसे कोर सिस्टम में इंटीग्रेट करेगा, इस बारे में कंपनी ने कुछ नहीं बताया है।

गौतम अडानी के 10 में से नौ कंपनियों के शेयरों में गिरावट

नई दिल्ली । अडानी ग्रुप के शेयरों में गुरुवार को एक बार फिर गिरावट देखी गई। बाजार खुलते ही ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में 15 फीसदी तक गिरावट आ गई। हाल में आई अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट में अडानी ग्रुप पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। हालांकि अडानी ग्रुप ने इन आरोपों से इनकार किया है लेकिन इस रिपोर्ट के कारण ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। ग्रुप का मार्केट कैप 100 अरब डॉलर गिर गया था। गुरुवार को बाजार खुलते ही अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली। अडानी एंटप्राइजेज का शेयर बीएसई पर एक समय 15 फीसदी तक गिर गया था। यह स्टॉक फ्यूचर्स एंड ऑप्शन सेगमेंट का हिस्सा है। इसमें कोई सर्किट लिमिट नहीं है। इसी तरह अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन में नौ फीसदी, अडानी पावर, अडानी ट्रांसमिशन, अडानी टोटल गैस और अडानी ग्रीन एनर्जी ने पांच फीसदी को लोअर सर्किट छू लिया। दूसरी ओर अंबूजा सीमेंट्स में 5.4 फीसदी, एसीसी में चार फीसदी और एनडीटीवी में तीन फीसदी गिरावट आई। अडानी ग्रुप की केवल एक कंपनी अडानी विल्मर के शेयरों में तेजी आई है। इसमें शुरुआती ट्रेडिंग में ही अपर सर्किट छू लिया। अडानी ग्रुप की आठ कंपनियां एमएससीआई इंडेक्स में शामिल हैं। अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट्स, अडानी टोटल गैस, अडानी ग्रीन, अडानी ट्रांसमिशन, अडानी पावर, अंबूजा और एसीसी एमएससीआई इं डिया इंडेक्स का हिस्सा हैं।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही बाजार आज एक सीमित दायरे में कारोबार करता दिखा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 142.43 अंक करीब 0.23 फीसदी ऊपर आकर 60,806.22 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 21.75 अंक तकरीबन 0.12 फीसदी की बढ़त के साथ ही 17,893.45 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान धातु, संपत्ति और वाहन शेयरों में बिकवाली हावी रही जबकि इंफ्रा, उर्जा और एफएमसीजी शेयरों में दबाव आया। आज के कारोबार के दौरान अडानी इंटरप्राइजेस , अडानी पोर्ट, हीरो मोटो कोप , सिपला और भारतीय एयरटेल के निफ्टी के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे जबकि बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी लाइफ, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, एशियन पेंटस और इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे अधिक उछले। वहीं गत कारोबारी सत्र में भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

बाजार में एसआईपी के प्रति लोगों लोगों के बढ़ते रुझान से इक्विटी म्यूचुअल फंड में इस साल अब तक 12,546 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त पर हुई लेकिन कुछ समय बाद ही इसमें गिरावट आने लगी।

सुबह वै श्विक बाजार में दबाव के बावजूद भारतीय शेयर बाजार ने तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत की, लेकिन निवेशकों की मुनाफावसूली से जल्द ही सेंसेवे स और निफ्टी में गिरावट दिखने लगी। पिछले कारोबारी सत्र में बाजार ने बड़ी बढ़त बनाई थी, लेकिन आज वै श्विक बाजार में आई गिरावट का असर दिखने लगा। सेंसेक्स सुबह 52 अंकों की तेजी के साथ 60,716 पर खुला और कारोबार शुरू किया जबकि निफ्टी 14 अंक चढ़कर 17,886 पर खुला और कारोबार की शुरुआत की। ऐसा लग रहा था कि बाजार आज लगातार दूसरे सत्र में बढ़त बनाने में कामयाब रहेगा, लेकिन वैश्विक बाजार के दबाव में निवेशकों ने थोड़ी देर बाद ही मुनाफावसूली शुरू कर दी। पॉवर, पीएसयू बैंक और मेटल पर सबसे ज्यादा दबाव रहा। इसके अलावा बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप पर भी दबाव रहा।

सोने में तेजी, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने की कीमत में तेजी आई जबकि चांदी में गिरावट आई है। भारतीय सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना बढ़कर 57,410 रुपये पहुंच गया। वहीं एक किलो चांदी के दाम में हल्की कमी आई है और अब यह 67,941 रुपये में बिक रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 35 रुपये की हल्की बढ़त के साथ ही 57,410 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 57,375 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसी प्रकार चांदी भी 5 रुपये नीचे आकर 67,941 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बंद हुई। वहीं विदेशी बाजार में सोना और चांदी दोनों के दाम 1,880 डॉलर प्रति औंस और 22.50 डॉलर प्रति औंस पर बने रहे।

सेबी ने आधार के महत्व को और बढ़ाया

नई दिल्ली । पूंजी बाजार नियामक सेबी ने आधार के महत्व को और बढ़ा दिया है। सेबी ने कुल 39 संस्थाओं की एक लिस्ट जारी की है, जो सब-केवाईसी उपयोगकर्ता एजेंसी के रूप में सिक्योरिटी मार्केट में ई-केवाईसी को आधार प्रमाणीकरण सेवाओं में रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं। बता दें कि यह लिस्ट 2020 में जारी आठ संस्थाओं को सूचीबद्ध करने के बाद आया है, जो केवायसी उपयोगकर्ता एजेंसी के रूप में यूआईडीएआई की आधार प्रमाणीकरण सेवा शुरू कर सकते हैं। सब-केवाईसी उपयोगकर्ता एजेंसी के रूप में इस लिस्ट में बंग सिक्योरिटीज, एनजे इंडियाइन्वेस्ट और मुथूट सिक्योरिटीज सहित 39 संस्थान हैं। नियामक द्वारा सूचीबद्ध अन्य संस्थाओं में इंडबैंक मर्चेंट बैंकिंग सर्विसेज, ऑर्बिस फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन, इंडो मनी सिक्योरिटीज, एचएसबी सिक्योरिटीज एंड इक्विटीज, फ्लोरिश फिनकैप और वोग कमर्शियल कंपनी शामिल हैं।सेबी के सर्कुलर में कहा गया है कि संस्थाओं को इस तरह के लिस्ट में शामिल करने का उद्देश्य मनी लॉन्ड्रिंग की जांच करना है। इसके लिए सबसे पहले उपर्युक्त संस्थाएं एक केयूए के साथ एक समझौता करेंगी, जिसमें वें खुद को यूआईडीएआई के साथ सब-केयूए के रूप में रजिस्टर्ड करवाएंगी। समझौता यूआईडीएआई द्वारा निर्धारित किया जाएगा, जिसमें सब-केयूए के रूप में इन संस्थाओं की ऑन-बोर्डिंग करवाई जाएगी।

बीएसएनएल पेश किए ग्राहकों के लिए सस्ते प्लान

-एक बार रिचार्ज करके 3 महीने तक मिलेगा आराम

नई दिल्ली ।

सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल के काफी सस्ते और किफायती प्लान अपने ग्राहकों के लिए पेश किए है। बीएसएनएल के इस बजट प्लान की कीमत 599 रुपये है। खास बात ये है कि ग्राहकों को इसमें 84 दिनों की वैलिडिटी दी जा रही है। यानी कि 600 रुपये से कम कीमत में ग्राहक करीब 3 महीने तक प्लान चला सकते हैं।इस प्लान में 3 महीने तक सिम एक्टिव रहेगा। अगर आप मंथली खर्च के हिसाब से देखें तो ये आपको करीब 200 रुपये का पड़ जाएगा। इस प्लान की सबसे खास बात ही इसकी 3 महीने की वैलिडिटी है। कॉलिंग के तौर पर इसमें किसी भी नेटवर्क पर कॉल करने के लिए फ्री मिनट दिए जाते हैं। डेटा की बात की जाए तो इस प्लान में ग्राहकों को हर दिन 5जीबी डेटा दिया जाता है। साथ ही रोजाना100 एसएमएस की सर्विस मुफ्त मिलेगी। ये प्लान हर मायने में बेस्ट साबित हो सकता है। अगर आपको ज़्यादा डेटा की ज़रूरत पड़ती तो इसमें हर दिन के 5जीबी से आपका काम हो जाएगा। इसके लिए आपको अलग से कोई प्लान लेने की ज़रूरत नहीं है। इसके अलावा अगर हर महीने के रिचार्ज पर आप ज़्यादा नहीं खर्च करना चाहते हैं तब भी ये प्लान आपके लिए सही रहेगा क्योंकि इसमें हर महीने सिर्फ 200 रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा जो ग्राहक लंबी वैलिडिटी वाले प्लान देख रहे हैं उनके लिए भी कम दाम में 3 महीने की वैलिडिटी बहुत होगी। इसलिए इस प्लान को किफायती प्लान के लिस्ट में रखा जा सकता है। बता दें कि टेलीकॉम कंपनियों के बीच सस्ते प्लान को लगातार टक्कर जारी रहती है, और इसलिए ग्राहक भी कंफ्यूज़ रहते हैं कि कौन सा प्लान रिचार्ज लिया जाए। ज़्यादातर लोग कम दाम में ज़्यादा बेनिफिट वाले प्लान तलाश करते हैं।

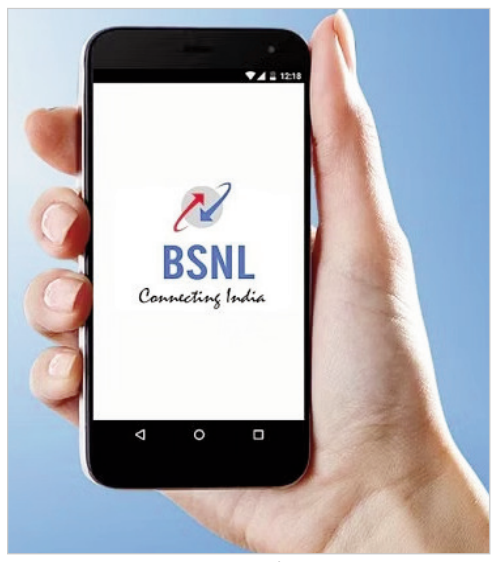

बढ़ती महंगाई के बीच यह ब्याज दरों में लगातार छठी वृद्धि थी: उद्योग जगत

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 6.50 प्रतिशत कर दिया है। उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने इस वृद्धि के बाद उम्मीद जताई है कि बढ़ती महंगाई के बीच यह ब्याज दरों में लगातार छठी वृद्धि थी, हालांकि मात्रा कम रही। केंद्रीय बैंक ने पिछले साल मई से रेपो दर में 2.50 प्रतिशत की वृद्धि की है। सरकार ने यह कदम वैश्विक दबाव के बीच बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण के लिए उठाया था। उद्योग मंडल एसोचैम ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि आज चुनौतीपूर्ण वैश्विक वातावरण के बीच आरबीआई-मौद्रिक नीति समिति के लिए महंगाई कम करना प्राथमिकता था और केंद्रीय बैंक ने बहुत प्रशंसनीय काम करते हुए मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखा है। उन्होंने कहा कि सतत वृद्धि के व्यापक उद्देश्य को देखते हुए हमारा मानना है कि मौजूदा चक्र में यह ब्याज दरों में आखिरी वृद्धि है। आरबीआई ने दिसंबर, 2022 में रेपो दर 0.35 प्रतिशत, मई में 0.40 प्रतिशत और जून, अगस्त व सितंबर में 0.50 प्रतिशत बढ़ाई थी। बैंक ऑफ बड़ौदा के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने आरबीआई की नीतिगत समीक्षा पर कहा कि फिलहाल लगता है कि अभी महंगाई के ऊपर जाने का जोखिम हो सकता है, इसलिए ब्याज दरें बढ़ाई गई हैं। चालू वर्ष में दरों में कटौती की अधिक संभावना नहीं दिखती है। पीएचडीसीसीआई ने रेपो दर बढ़ाए जाने के फैसले पर कहा कि इससे कारखानों में खपत की संभावना और उपभोग की मांग पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, पिछले कुछ महीनों से जारी महंगाई के बीच हम आगे नीतिगत दरों में ठहराव की उम्मीद कर रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म ट्विटर में फिर आई गड़बड़ी

नई दिल्ली । सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म ट्विटर में एक बार फिर बड़ी गड़बड़ी आई है। यह काफी बड़ा आउटेज है। इस बारे में कई यूजर्स ने ट्विटर पर पर पोस्ट भी किया। यूजर्स ने लिखा कि वे नए ट्वीट पोस्ट नहीं कर पा रहे हैं। ट्विटर की सपोर्ट टीम ने कहा कि उन्हें इस आउटेज के बारे में जानकारी है और वे इसे जल्द ठीक करने की कोशिश में लगे हैं। ट्विटर के अलावा फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब चलाने में भी यूजर्स को परेशानी हो रही है। डाउन डिटेक्टर की रिपोर्ट के अनुसार मेटा के फेसबुक और इंस्टाग्राम को भी यूज करने में यूजर्स को दिक्कत आई। रिपोर्ट के अनुसार फेसबुक में आ रही समस्या के बारे में 12 हजार यूजर्स ने शिकायत की। वहीं इंस्टाग्राम के बारे में 7 हजार यूजर्स ने कहा कि उन्हें ऐप यूज करने में परेशानी हो रही है। इसके अलावा कुछ यूजर्स ने फेसबुक मेसेंजर के बारे में भी रिपोर्ट किया। ट्विटर फेसबुक और इंस्टाग्राम के अलावा यूट्यूब में भी गड़बड़ी आई है। एक रिपोर्ट के अनुसार यूट्यूब आउटेज को दुनिया भर के 65 हजार यूजर्स ने रिपोर्ट किया।

इंडियन एयरलाइंस अगले दो साल में 1,700 विमानों का ऑर्डर दे सकती है: रिपोर्ट

मुंबई ।

भारतीय विमानन कंपनियां अगले एक-दो साल में 1,500 से 1,700 विमानों का ऑर्डर दे सकती हैं जबकि एयर इंडिया के 500 विमानों का ऑर्डर देने की संभावना है। विमानन सलाहकार फर्म सीएपीए ने यह संभावना जताई। सीएपीए ने कहा कि भारतीय एयरलाइंस के बेड़े में कुल लगभग 700 वाणिज्यिक विमान हैं जो दुनिया की कुछ बड़ी विमानन कंपनियों से भी कम है। भारतीय विमानन बाजार की विशाल क्षमता को देखते हुए अधिक विमानों को शामिल करने की गुंजाइश है। सीएपीए ने एक रिपोर्ट में कहा कि कोरोना काल के बाद भारतीय बाजार सबसे आकर्षक विमानन बाजार के तौर पर पूरी दुनिया को आकर्षित कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार अगले दो सालों में भारत में लगभग सभी कंपनियों की तरफ से ज्यादा विमानों की खरीद का ऑर्डर दिए जाने की उम्मीद है। इनमें समूचे बेड़े को बदलना के साथ विस्तार भी वजह हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, सीएपीए इंडिया के अगले दशक और उसके आगे के पूर्वानुमानों के आधार पर हम उम्मीद करते हैं कि भारतीय विमानन कंपनियां अगले 12-24 महीनों में 1,500-1,700 विमानों का ऑर्डर देंगी। सीएपीए ने कहा कि इस दिशा में पहला कदम एयर इंडिया उठा सकती है जिसके तहत वह लगभग 500 विमानों की खरीद का ऑर्डर देने वाली है। उसने कहा कि भारत को अपनी विमानन क्षमता पर खरा उतरने में संघर्ष करना पड़ा है। हालांकि भारत 21वीं सदी के वैश्विक विमानन बाजार के तौर पर अपना स्थान हासिल कर सकता है।

अडानी पोर्ट अगले वित्त वर्ष में 5,000 करोड़ का चुकाएगी कर्ज: सीईओ

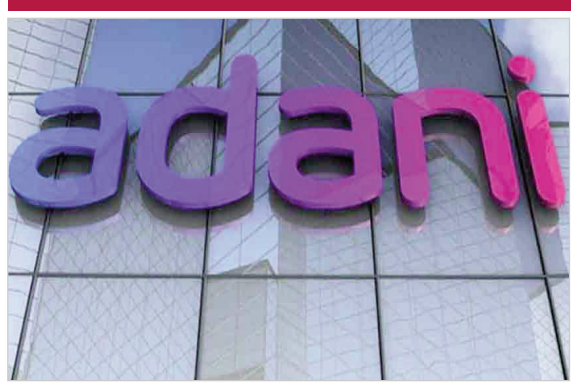

मुंबई ।

अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग के निगेटिव रिपोर्ट के कारण अडानी समूह को बड़ा नुकसान हुआ है। जहां बार-बार अडानी के भारी-भरकम कर्ज के बोझ का हवाला दिया जा रहा है तो वहीं अब कंपनी लोन्स की प्रीपेमेंट और पेमेंट कर इस बोझ को कम कर रही है। कंपनी के इस कदम से निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा। हाल ही में कंपनी ने अपने गिरवी रखे शेयरों को वापस छुड़ाने के लिए 1.11 अरब डॉलर के लोन्स का प्रीपेमेंट की घोषणा की। अब गौतम अडानी के बेटे करण अडानी ने भी अडनी पोर्ट्स को लेकर बड़ा ऐलान किया है। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशन इकोनॉमिक जोन के सीईओ करण अडानी ने एक रिकॉर्डेड वीडियो मैसेज के जरिए कहा कि हम मार्च 2024 तक करीब 5000 करोड़ के लोन का पेमेंट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम प्रीपेमेंट की योजना तैयार कर रहे है। कंपनी के डायरेक्टर और सीईओ करण अडानी ने ये वीडियो मैसेज जारी किया। उन्होंने कहा कि हम कर्ज के बोझ को कम करने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि हम लोन्स की प्रीपेमेंट के अलावा वित्त वर्ष 2024 के दौरान अडानी पोर्ट्स कैपिटल एक्सपेंडिचर के तौर पर 4000-5000 करोड़ रुपए के निवेश की योजना बना रहे है। गौरतलब है कि करण अडानी ने ये घोषणा ऐसे वक्त पर की है, जब हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के कारण कंपनी तो बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के कारण अडानी के शेयर धड़ाधड़ बिकवाली देखने को मिली। इतना ही नहीं कंपनी को 20 हजार करोड़ रुपये का अपना एफपीओ तक वापस लेना पड़ा है।

साल 2022 में 7 फीसदी महंगे हुए प्रॉपर्टी के दाम

नई दिल्ली ।

कोरोना काल बीतने के बाद देश में प्रॉपर्टी की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है और बिल्डिंग मैटेरियल की कीमतों में बढ़ोतरी से साल 2022 में देश के सबसे बड़े 8 शहरों में घरों की कीमत औसतन 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके पहले 5 साल 2016 से लेकर 2021 तक घरों की कीमतों में बहुत ज्यादा इजाफा नहीं हुआ और दाम लगभग स्थिर रहे थे। 2021` वित्तीय वर्ष की तुलना में देश के आठ प्रमुख शहरों में घरों की कीमतें औसतन 6,700 रुपए से बढ़कर 6,900 रुपए प्रति वर्ग फुट हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक देश में हरियाणा के गुरुग्राम में घरों की कीमतें सबसे ज्यादा बढ़ी हैं। यहां साल 2022 में प्रॉपर्टी की कीमतों में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बेंगलुरु और दिल्ली एनसीआर में औसत 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। नोएडा में घर की कीमतों में पिछले साल 7 फीसदी का उछाल आया। मुंबई में घरो की कीमतें 5 फीसदी बढ़ी तो कोलकाता में 7 प्रतिशत की दर इजाफा हुआ। चेन्नई में घरों के दाम 5 फीसदी तो पुणे में 8 फीसदी चढ़े। हैदराबाद में घर की कीमत में 10 फीसदी का इजाफा हुआ। कोविड-19 के कारण पिछले दो सालों से अटकी पड़ी मांग के निकलने के कारण आवासीय संपत्तियों की कीमतों में वृद्धि के बावजूद भी घरों की बिक्री में कमी नहीं आई। बताया जा रहा है कि मांग बढ़ने और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण बिल्डिंग निर्माण सामग्री की कीमत बढ़ने से घरों के दामों में लगातार इजाफा हुआ। जानकारों का कहना है कि आगे भी प्रॉपर्टी बाजार में तेजी रहने की उम्मीद है।

अमेरिका ने पोलैंड को 10 अरब डॉलर के हथियार बेचने की मंजूरी दी

वाशिंगटन ।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूस के यूक्रेन पर जारी हमलों के बीच अपने नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) सहयोगी पोलैंड को 10 अरब डॉलर के हथियारों की बिक्री की मंजूरी दे दी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कांग्रेस को अधिसूचित किया कि मध्यम दूरी की, हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम्स (एचआईएमएआरएस), अन्य गोला-बारूदों और उपकरणों की पोलैंड को बिक्री किए जाने की अनुमति दी गई है। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को एक साल पूरा होने वाला है और ऐसे में पोलैंड तथा अन्य नाटो सहयोगी यूक्रेन पर रूस की बढ़ती आक्रामकता की आशंका को लेकर चिंतित हैं। मंत्रालय ने कहा कि यह बिक्री नाटो सहयोगी पोलैंड की रक्षात्मक क्षमताओं को बढ़ाकर अमेरिकी विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगी। पोलैंड यूरोप में राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक प्रगति के लिए अहम है।

Sports

पहले टेस्ट के शुरुआती दिन लगभग 12,000 दर्शकों ने मैच का उठाया लुत्फ

नागपुर, विदर्भ क्रिकेट संघ (वीसीए) ने दावा किया था कि जामथा में उसके स्टेडियम में चार मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट के लिए 40,000 टिकट बेचे गए थे, लेकिन गुरुवार को पहले दिन उनमें से केवल 12,000 ही स्टेडियम पहुंचे।लेकिन यह देखते हुए कि यह एक सप्ताह का दिन है, काफी अच्छी भीड़ थी और यह ऑस्ट्रेलिया था जो पहले बल्लेबाजी कर रहा था और भारत नहीं। पैट कमिंस ने टॉस जीता और 9,000 दर्शकों के सामने पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना। दोपहर के सत्र में 12,000 दर्शकों तक पहुंच गई, क्योंकि भारतीय गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया को 177 रनों पर समेट दिया। नागपुर में प्रशंसकों के बीच बहुत रुचि है क्योंकि शहर नवंबर 2001 के बाद पहले टेस्ट की मेजबानी कर रहा है। जामथा स्टेडियम ने अब तक छह टेस्ट की मेजबानी की है और भारत के लिए काफी सफल स्थान रहा है क्योंकि उन्होंने छह में से चार मैच खेले इस स्थल पर जीते हैं।

(नागपुर) पहला टेस्ट : ऑस्ट्रेलिया को 177 रनों पर समेटने के बाद भारतीय टीम ने बनाये एक विकेट पर 77 रन

जडेजा ने पांच , अश्विन ने तीन विकेट लिए , रोहित ने लगाया अर्धशतक

नागपुर ।

भारतीय क्रिकेट टीम आज यहां नागपुर में मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरु हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन हावी रही। रविन्द्र जडेजा और आर अश्विन सहित भारतीय गेंदबाजों ने पहले तो ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहली पारी में 177 रनों पर समेट दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में एक विकेट के नुकसान पर 77 रन बना लिये। रोहित 56 रन बनाकर नाबाद थे जबकि आर अश्विन ने अपना खाता नहीं खोला था। बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के इस पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉस जीतकर पल्लेबाजी की शुरुआत की पर उसके बल्लेबाज असफल रहे। चायकाल के ठीक बाद ऑस्ट्रेलिया की पारी 177 रनों पर ही आउट हो गयी। मार्नस लाबुशेन ने सबसे ज्यादा 49 , स्टीव स्मिथ ने 37 रन जबकि पीटर हैंडकॉम्ब ने 31 रन बनाये। बाकि बल्लेबाज नाकाम रहे। लंबे समय बाद मैदान में वापसी कर रहे जडेजा ने 5 विकेट लिये जबकि अश्विन ने 3 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपनी पहली ही गेंद पर उस्मान ख्वाजा को पेवेलियन भेज दिया। ख्वाजा केवल एक रन ही बना पाये। वहीं डेविड वॉर्नर भी एक रन पर ही पेवेलियन लौट गये उन्हें मोहम्द शमी ने अपना शिकार बनाया। इसके बाद मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ ने पारी संभाली। लाबुशेन लंच ब्रेक के ठीक बाद जडेजा का शिकार बने। उन्होंने 123 गेंद का सामना करते हुए आठ चौके मारे। जडेजा ने अगली ही गेंद पर मैट रेनशॉ को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया। स्मिथ भी 37 रन बनाकर जडेजा की गेंद पर आउट हुए। इनके आउट होने के बाद कैरी और हैंड्सकॉम्ब ने आक्रामक रवैया अपनाने का प्रयास किया पर ये दोनो ही टिक नहीं पाये। अश्विन ने कप्तान पैट कमिंस को 6 रनों पर पेवेलियन भेजा। वहीं जडेजा ने पदार्पण कर रहे टॉड मर्फी को शून्य पर ही आउट कर ऑस्ट्रेलिया का आठवां विकेट गिरा दिया। जडेजा ने हैंडकॉम्ब 31 को आउट कर अपने 5 विकेट पूरे किये। वहीं बोलैंड को बोल्ड कर अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया की पारी को 177 रनों पर समाप्त कर दिया। भारतीय टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और लोकेश राहुल ने शुरुआत की। रोहित ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले ही ओवर में पैट कमिंस की गेंद पर तीन चौके लगा दिये। इसके बाद रोहित ने एक छोर से तेजी से रन बनाए। वहीं राहुल रक्षात्मक रुख अपनाते दिखे। रोहित ने 65 गेंदों पर ही अपना अर्धशतक लगा दिया। यह रोहित की टेस्ट में 15 वां अर्धशतक था। टेस्ट कप्तान के रूप में उन्होंने पहली बार 50 से अधिक रन बनाये। वहीं राहुल अगले ही ओवर में मर्फी का शिकार हो गए। मर्फी का यह डेब्यू टेस्ट है। राहुल ने 71 गेंदों पर 20 रन निकले। रविचंद्रन अश्विन नाइटवॉट मैन के रूप में तीसरे नंबर पर उतरे। स्टंप्स तक भारत का स्कोर एक विकेट पर 77 रन था।

अश्विन ने सबसे तेजी से 450 विकेट पूरे किये, कुंबले का रिकार्ड तोड़ा

नागपुर ।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट में अपने 450 विकेट पूरे करने के साथ ही दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले का रिकार्ड तोड़ दिया। अश्विन ने ऑस्ट्रेलियाई पारी के 54वें ओवर में एलेक्स कैरी का विकेट लेने के साथ ही टेस्ट क्रिकेट में अपने 450 विकेट पूरे किये। अश्विन ने अपने 89वें टेस्ट में 450 विकेट पूरे किये हैं। इसी के साथ ही वह भारतीय टीम की ओर से सबसे तेजी से 450 टेस्ट विकेट हासिल करने पहले गेंदबाज बने हैं। वहीं कुंबले को इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए 93 मैच खेलने पड़े थे। अश्विन ने 11 साल 95 दिन में इस आंकड़े को छुआ है जबकि कुंबले को यहां तक पहुंचने के लिए 14 साल 211 दिन लग गए थे। इसी के साथ ही सबसे तेजी से 450 टेस्ट विकेट लेने के मामले में अश्विन दुनिया के दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। पहले नंबर पर श्रीलंका के मुथेया मुरलीधरन हैं। मुरलीधर ने ने केवल 80 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी। उन्होंने 3 मई 2003 को न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए एक मैच में अपने 450 विकेट पूरे किए थे। मुरलीधरन को यहां तक पहुंचने में 10 साल 248 दिन लगे थे।

टेस्ट में सबसे तेज 450 विकेट-
मुरलीधनर- 80 मैच
अश्विन- 89
कुंबले- 93
ग्लेन मैक्ग्राथ- 100
शेन वार्न- 101 .

हमेशा से नीलामी प्रक्रिया का अनुभव करने की कल्पना की थी: जेमिमा रोड्रिग्स

नई दिल्ली,

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की पहली नीलामी से पहले भारत की मध्यक्रम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने कहा कि जब से लीग की घोषणा हुई है, वह अपने दिमाग में नीलामी की प्रक्रिया की कल्पना कर रही है।13 फरवरी को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में डब्ल्यूपीएल प्लेयर ऑक्शन में कुल 409 क्रिकेटरों की बोली लगाई जाएगी। 409 खिलाड़ियों में से 246 भारतीय और 163 विदेशी खिलाड़ी हैं, जिनमें से 8 सहयोगी देशों की खिलाड़ी हैं।कुल कैप्ड खिलाड़ी 202, अनकैप्ड खिलाड़ी 199 और 8 सहयोगी देशों से हैं। पांच टीमों के पास अधिकतम 90 स्लॉट उपलब्ध हैं, जिनमें से 30 विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं। उन्होंने कहा कि हमने हमेशा पुरुषों के आईपीएल को देखा है और नीलामी कैसे होने जा रही है। मैं पहले से ही इसकी कल्पना कर रही हूं।जेमिमा ने 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था और 75 महिला टी20 मैचों में 30 के करीब की औसत से 1,575 रन बनाए हैं।

आयरलैंड ने बांग्लादेश,श्रीलंका के दौरों के लिए किया टीम का ऐलान

डबलिन,

क्रिकेट आयरलैंड ने पांच अलग-अलग टीमों की घोषणा की है जो मार्च और अप्रैल 2023 में बांग्लादेश और श्रीलंका का दौरा करेगी।पहला दौरा बांग्लादेश का है, जहां आयरलैंड 15 मार्च को वार्म-अप मैच में शामिल होगा। इसके बाद तीन वनडे, इतने ही टी20 और एक टेस्ट मैच में शिरकत करेगा। यह आयरलैंड और बांग्लादेश के बीच खेला जाने वाला पहला टेस्ट मैच होगा। साथ ही साथ पहली बहु-प्रारूप श्रृंखला होगी, जो दोनों टीमों के बीच खेली जाएगी। दूसरा दौरा श्रीलंका का होगा, जहां आयरलैंड एक टेस्ट मैच और दो वनडे मैच खेलेगा। इसी तरह, यह दोनों टीमों के बीच खेला जाने वाला पहला टेस्ट मैच होगा। टीम 11 मार्च को डबलिन से रवाना होगी। धमाकेदार सलामी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ आयरलैंड के लिए टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे। जिम्बाब्वे के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पीजे मूर को टेस्ट मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा, हमने टेस्ट मैच के लिए यह बेहतरीन टीम तैयार की है। हमें स्पष्ट रूप से उस स्थान पर थोड़ा सा काम करना है, लेकिन यह रोमांचक है। हम अपने तरीके से खेलेंगे और इस समय हमारे परिवेश में यही मुख्य संदेश है। हम चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ी वहां जाएं और यह देखे की लाल गेंद से टेस्ट मैच कैसे खेलना हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोश लिटिल भी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजरात टाइटन्स के साथ अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण टेस्ट मैच से गायब हैं। हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, जॉर्ज डॉकरेल, कर्टिस कैम्फर और ग्राहम सभी टीमों में नामित खिलाड़ी हैं। टेस्ट क्रिकेट की शैली के बारे में आयरलैंड के मलान ने विस्तार से बताया, देखो, मुझे लगता है कि हमारे पास खिलाड़ियों का एक समूह है जो सफेद गेंद वाली क्रिकेट में आक्रामक शैली खेलना पसंद करता है जिसे लोग देखना पसंद करते हैं, लेकिन लाल गेंद में वह संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

आजकल खेतों में ट्रैक्टर चला रहे धोनी

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते हैं। धोनी को लेकर एक नया वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें वह अपने गृहनगर रांची में अपने खेतों में ट्रैक्टर चलाते हुए दिख रहे हैं। पूर्व कप्तान ने इंस्टाग्राम पर ट्रैक्टर चलाते हुए का अपना एक वीडियो भी पोस्ट किया है। इसे लोगों ने काफी पसंद किया है। इस कारण केवल 18 घंटों में ही इंस्टाग्राम पर उन्हें 3.3 मिलियन व्यूज मिले हैं और लगभग 70 हजार से ज्यादा लोगों ने कमेंट किया है। इस वीडियो को अब तक 33 लाख से ज्यादा लाइक्स भी मिले हैं। धोनी ने करीब दो साल बाद सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट किया है। इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा है, कुछ नया सीखने में अच्छा लगा पर काम पूरा करने में बहुत लंबा समय लगा। ट्रैक्टर चलाना भले ही धोनी के लिए एक नया अनुभव था पर उन्होंने इसका पूरा आनंद लिया। । गौरतलब है कि धोनी ने लगभग तीन साल पहले 8 लाख रुपए में महिंद्रा स्वराज ट्रैक्टर खरीदा था। तब भी उन्होंने सोशल मीडिया पर ट्रैक्टर चलाते हुए का एक वीडियो डाला था। जब उन्होंने ट्रैक्टर खरीदा था तो आनंद महिंद्रा ने ट्विटर पर लिखा था, मुझे हमेशा से लगता था कि धोनी ऐसे इंसान हैं जो सही फैसला करते हैं। उस व्यक्ति के पास सही निर्णय लेने की क्षमता है। धोनी की खेती में बेहद रुचि है। उन्होंने रांची में सैंबो नामक जगह पर अपने फॉर्म में फल और सब्जियां उगा रखी हैं। यह फॉर्म लगभग 55 एकड़ में फैला है, जहां वे अपने खेतों में सरसों से लेकर फूलगोभी तक और स्ट्रॉबेरी से लेकर पत्ता गोभी, अदरक, शिमला मिर्च तक उगा रहे हैं। ज्यादातर फसलें ऑर्गेनिक तरीके से उगाई जा रही हैं। सब्जियों और फलों की खेप स्थानीय बाजार के साथ ही बाहर भी भेजी जा रही है।

पिच को लेकर छेड़छाड़ के आरोप सही नहीं : मैकडोनाल्ड

हर जगह हालात अलग रहते हैं

नागपुर । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि नागपुर की पिच पर आरोप लगाना गलत है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में भी इस प्रकार के उछाल वाली पिचें बनती रही हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने नागपुर में पहले टेस्ट के लिए बनी पिच को लेकर सवाल उठाये थे साथ ही कहा था कि मेजबान टीम को लाभ पहुंचाने के लिए पिच से छेड़छाड़ हो रही है। वहीं कोच ने कहा कि उनकी टीम इस प्रकार कि पिच की चुनौती से उत्साहित हैं और उसके लिए तैयार हैं। कप्तान पैट कमिंस भी उनसे सहमत नजर आये। मैकडॉनाल्ड ने कहा, 'हमारा काम उन समस्याओं का समाधान निकालना है जो विकेट प्रस्तुत करता है और यह टेस्ट क्रिकेट के बारे में सबसे बड़ी बात है कि एक देश से दूसरे देश और देश के भीतर एक स्थल से दूसरे स्थल पर हालात बदलते रहते हैं। कोच ने कहा कि उनकी टीम का हमेशा से मानना रहा है कि भारतीय पिचें उम्मीद के अनुसार रहेंगी। इसलिए वे हैरान नहीं थे। उन्होंने कहा, 'स्पष्ट रूप से यह सूखा है और ईमानदारी से कहूं तो हम शायद यही उम्मीद कर रहे थे। नागपुर में आकर, संदेश यह था कि यह भारत में सबसे अधिक टर्न लेने वाला विकेट है और बहुत अधिक रिवर्स स्विंग होगी। मुझे लगता है कि यह सब मेल खाता है और हम अपने सामने मौजूद चुनौती को लेकर उत्साहित हैं।

रणजी मैच खेलने से मुझे अपनी लय हासिल करने में मदद मिली : जडेजा

नागपुर,

चोट के कारण पांच महीने के ब्रेक के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करते हुए रवींद्र जडेजा ने गुरुवार को कहा कि शीर्ष घरेलू टीम तमिलनाडु के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच खेलने से उनका मनोबल बढ़ा और उन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट के लिए लय हासिल करने में मदद मिली। लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करते हुए जडेजा ने 5/47 विकेट हासिल किए, जिससे भारत ने पहले दिन चाय के बाद ऑस्ट्रेलिया को 177 रनों पर समेटने में मदद की। भारत के स्टार ऑलराउंडर ने कहा कि चोट से वापसी कर पांच विकेट हासिल कर अच्छा लगा। जडेजा ने कहा, मैं अपनी लय पाकर खुश हूं, जिसके साथ मैंने गेंदबाजी की और गेंद मेरे हाथ से काफी अच्छी तरह से निकली। क्योंकि मेरी लाइन और लेंथ भी सटीक थी, चूंकि ट्रैक से कोई बाउंस नहीं था, मैंने बॉलिंग स्टंप को प्राथमिकता दी।बायें हाथ के इस स्पिनर ने कहा कि तमिलनाडु के खिलाफ रणजी मैच खेलने से उन्हें काफी मदद मिली क्योंकि चेन्नई में पिच समान थी और कम उछाल दे रही थी।जडेजा ने कहा, इस पिच से काफी मदद मिली है, क्योंकि आप एक शीर्ष प्रथम श्रेणी टीम के खिलाफ खेल रहे हैं, जिसमें गुणवत्ता वाले बल्लेबाज हैं। तमिलनाडु की बल्लेबाजी इकाई अच्छी थी, इसलिए मुझे उस मैच के बाद टेस्ट मैच खेलना था और उस तैयारी ने वास्तव में मेरी मदद की।उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि यह बिल्कुल चेन्नई की पिच की तरह है, लेकिन कम उछाल के मामले में काफी समान है। सौराष्ट्र के अनुभवी प्रचारक ने यह भी बताया कि उन्होंने गुरुवार को क्रीज का इस्तेमाल किया, क्योंकि पिच पर्याप्त स्पिन नहीं दे रही थी। जडेजा ने कहा, वे रनों की तलाश कर रहे थे और स्ट्राइक रोटेट करना और प्रत्येक गेंद पर रन बनाना आसान नहीं था। एक बार जब आप हर गेंद पर अच्छी गेंदबाजी करना शुरू कर देते हैं, तो वे भी अलग-अलग चीजों की कोशिश करना शुरू कर देते हैं और वे सेट बल्लेबाज होते हैं और एक बार उनकी साझेदारी हो जाती है, तो उन्हें आउट करना मुश्किल होता है। मैंने सोचा, मुझे अधिक से अधिक डॉट गेंदें फेंकनी चाहिए, लगातार पिच टर्न नहीं दे रही थी, इसलिए अच्छे क्षेत्रों में गेंदबाजी करनी थी और अच्छी लाइन और लेंथ बनाए रखनी थी।

जाफर ने वॉर्नर और ऑस्ट्रेलिया को किया ट्रोल

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने नागपुर में पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया टीम की खराब शुरुआत के बाद उसे और सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को ट्रोल किया है। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने दावा किया था कि नागपुर की पिच को मेजबान टीम के फायदे के अनुसार तैयार किया गया है। साथ ही कहा था कि पिच के केवल बीच में ही पानी डाला गया है जबकि बाएं हाथ के स्पिनरों को देखते हुए कुछ क्षेत्र को सूखा छोड़ दिया गया जिससे कि वार्नर और उस्मान ख्वाजा जैसे ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के बल्लेबाजों को परेशान किया जा सके। भारतीय स्पिनरों से निपटने की कोशिश में नेट्स में दाएं हाथ से बल्लेबाजी करने वाले अनुभवी सलामी बल्लेबाज की तस्वीरें थीं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वार्नर पहले टेस्ट में भी इस रणनीति का इस्तेमाल कर सकते हैं। वार्नर बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। यह उल्लेखनीय है, क्योंकि उन्हें नेट्स में दाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हुए देखा गया है। उन्होंने कथित तौर पर टीम के साथियों से कहा था कि वह टेस्ट में सही खेलेंगे।

ट्रेविस हेड को टीम में जगह नहीं मिलने से हैरान हुए हेडन और वॉ

नागपुर। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मैथ्यू हेडन और स्टीव वॉ ने यहां भारत के खिलाफ नागपुर में शुरु हुए पहले क्रिकेट टेस्ट में ट्रेविस हेड को अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने पर हैरानी जतायी है। टीम प्रबंधन ने पहले टेस्ट में ट्रेविस हेड की जगह पर पीटर हैंड्सकॉम्ब को शामिल किया है। हेडन ने कहा कि हेड स्वयं भी यह जानने के बाद हैरान था कि वह नहीं खेल रहा जबकि वह पिछले सत्र में एशेज श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहा था। वहीं उसकी जगह शामिल हैंड्सकॉम्ब एक दायें हाथ के बल्लेबाज हैं। ऐसे में लगता है कि चयनकर्ताओं ने हेड को इसलिए शामिल नहीं किया क्योंकि वह बांए हाथ के बल्लेबाज हैं जबकि हैंड्सकॉम्ब दायें हाथ के बल्लेबाज हैं। वहीं मैच के लिए अंतिम एकादश की घोषणा के बाद हेडन ने कहा, 'मुझे ट्रेविस को बाहर किये जान का भरोसा ही नहीं हो रहा। उनके साथ बैठे मार्क वॉ ने भी यही बात कही। हेडन ने कहा, 'मेरे लिए वह गर्मियों के सत्र का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी था। मुझे पता है कि ब्रिसबेन के गाबा में पूरी तरह से अलग हालता थे पर ब्रिसबेन में उसके 90 रनों की पारी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में अहम भूमिका निभाई थी। उसने तब ऐसे रन बनाए जैसे वह सपाट विकेट था जबकि विकेट घास वाली थी। वॉ के अनुसार चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली और मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने शायद टर्निंग विकेट की बात को कुछ ज्यादा ही महत्व दे दिया। वॉ ने कहा, ' यह भरोसा करना कठिन है कि हम विश्व में चौथे नंबर के टेस्ट बल्लेबाज को बाहर कर सकते हैं पिछले 12 महीनों में वह हमारा सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहा है इसके साथ ही वह ऑफ स्पिन भी करता है। वॉ ने इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं के प्रति नाराजगी व्यक्त की।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज खराब शॉट खेलकर हुए आउट : स्मिथ

नागपुर,

ऑस्ट्रेलिया के उपकप्तान स्टीव स्मिथ ने गुरुवार को इन सुझावों को खारिज कर दिया कि उनकी टीम ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ट्रेविस हेड को ड्रॉप करके कोई गलती की। साथ ही कहा कि गुरुवार को यहां भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में दो ऑफ स्पिनरों को मौका देना जरूरी था। पहले बल्लेबाजी करते हुए, ऑस्ट्रेलिया को अपनी पहली पारी में 177 रन पर ऑलआउट कर दिया गया, जिसमें भारतीय स्पिनर रवींद्र जडेजा ने 5/47 और ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने 3/42 विकेट लिए। स्मिथ (37) और मार्नस लाबुशेन (49) ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 82 रन की साझेदारी की। जवाब में, भारत ने कप्तान रोहित शर्मा के नाबाद 56 रन के दम पर 24 ओवर में दिन का खेल खत्म होने तक 77/1 का स्कोर बनाया, जिसे नौ विकेट शेष रहते मेहमान टीम के स्कोर से आगे निकलने के लिए 100 और रन चाहिए थे। स्मिथ ने कहा कि मौका मिलने पर मैट रेनशॉ ने अच्छा प्रदर्शन किया और उन्होंने अंतिम प्लेइंग इलेवन तय करने से पहले विभिन्न संयोजनों पर चर्चा की। अनुभवी स्मिथ ने सैंडपेपरगेट कांड के बाद अपनी कप्तानी गंवाने से पहले 36 टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व किया और पिछले दो सत्रों में कार्यवाहक कप्तान के रूप में कुछ टेस्ट की कमान संभाली थी। उन्होंने कहा कि हालांकि नाथन लियोन और टॉड मर्फी दोनों ऑफ-स्पिनर हैं। वे सबसे अलग हैं और उनके काम करने के अलग-अलग तरीके हैं। स्मिथ ने स्वीकार किया कि उनके कुछ बल्लेबाज गेंद के अधिक स्पिन होने की उम्मीद में खराब शॉट खेलकर आउट हुए। ऐसा तब होता है जब गेंद पिच पर हलचल कर रही होती है।दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा कि जडेजा ने अच्छी गेंदबाजी की। अब उन्होंने कहा कि भारत को कम से कम स्कोर तक सीमित करने की कोशिश होगी।

जगारेब में ईएचएफ चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलते हुए पेरिस सेंट जर्मेन के फेरान सोलो।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेहत के लिए बेहद लाभदायक है नींबू पानी

नींबू पानी को अगर देशी कोल्ड्रिंक कहा जाए, तो इसमें कुछ गलत नहीं होगा। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर यह पेय सेहत और सौंदर्य से जुड़े इतने फायदे देता है, जितने आप सोच भी नहीं सकते। जानिए नींबू पानी के कुछ ऐसे ही फायदे जो आपकी सेहत के लिए बेहद लाभदायक हैं -

नींबू विटामिन सी का बेहतर स्त्रोत है। साथ ही, इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। यह खराब गले, कब्ज, किडनी और मसूड़ों की समस्याओं में राहत पहुंचाता है। साथ ही ब्लड प्रेशर और तनाव को कम करता है। त्वचा को स्वस्थ बनाने के साथ ही लिवर के लिए भी यह बेहतर होता है। पाचन क्रिया, वजन संतुलित करने और कई तरह के कैंसर से बचाव करने में नींबू पानी मददगार होता है। नींबू पानी में कई तरह के मिनरल्स जैसे आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटैशियम और जिंक पाए जाते हैं।

किडनी स्टोन

नींबू पानी का स्वास्थ्य पर पड़ने वाला सबसे महत्वपूर्ण फायदा है, इसका किडनी स्टोन से राहत पहुंचाना। मुख्यरूप से किडनी स्टोन शरीर से बिना किसी परेशानी के निकल जाता है, लेकिन कुछ मामलों में यह यूरीन के बहाव को ब्लॉक कर देते हैं जो अत्यधिक पीड़ा का कारण बनता है। नींबू पानी पीने से शरीर को रिहाइड्रेट होने में मदद मिलती है और यह यूरीन को पतला रखने में मदद करता है। साथ ही यह किडनी स्टोन बनने के किसी भी तरह के खतरे को कम करता है।

डायबिटीज

नींबू पानी, हाई शुगर वाले जूस व ड्रिंक का बेहतर विकल्प माना जाता है। खासतौर से उनके लिए जो डायबिटीज के मरीज हैं या वजन कम करना चाहते हैं। यह शुगर को गंभीर स्तर तक पहुंचाए बिना शरीर को रिहाइड्रेट व एनर्जाइज करता है।

पाचनक्रिया में फायदेमंद

नींबू पानी में मौजूद नींबू का रस हाइड्रोक्लोरिक एसिड और पित्त सिक्रेशन के प्रोडक्शन में वृद्धि करता है, जो पाचन के लिए आवश्यक है। साथ ही यह एसिडिटी और गठिया के खतरे को भी कम करता है। जो लोग आमतौर पर पाचन-संबंधी समस्याओं जैसे एबडॉमिनल क्रैम्प्स, ब्लॉटिंग, जलन और गैस की समस्या आदि से परेशान होते हैं, उन्हें नियमित रूप से नींबू पानी का सेवन करना चाहिए।

कब्ज

अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो नींबू पानी आपके लिए बेहद फायदेमंद है। प्रतिदिन सुबह गर्म नींबू पानी पिएं और पूरे दिन कब्ज की समस्या से दूर रहें।

इम्यून सिस्टम

नींबू पानी बायोफ्लेवोनॉयड, विटामिन सी और फाइटोन्यूट्रियंट्स का बेहतर स्रेत है जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की शक्ति बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स के कारण यह शरीर के एनर्जी लेवल को बढ़ाने में मदद करता है।

खराब गला

नींबू पानी को गुनगुना करके पीने से गले की खराबी या फैरिन्जाइटिस में आराम पहुंचाता है।

वजन

हर सुबह शहद के साथ गुनगुना नींबू पानी पीने से अतिरिक्त वजन आसानी से कम किया जा सकता है।

मसूड़ों की समस्या

नींबू पानी पीने से मसूड़ों से संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है। नींबू पानी में एक चुटकी नमक मिलाकर पीने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार तेज भूख लगने पर कभी खाली पेट न खाएं ये चीजें

कभी-कभी ऐसा होता है कि हमें बहुत तेज भूख लग जाती है और हम उस वक्त हमें जो भी उपलब्ध होता है, वो खाने लग जाते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए घातक हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक तेज भूख लगने पर कुछ ऐसी चीजें है, जिन्हें नहीं खाना चाहिए।आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वो चीजें-

अमरुद

अमरुद एक ऐसा फल है, जिसे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरुद खाएंगे, तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरूद खाएंगे, तो यह फायदा देता है। ऐसे में आपको खाली पेट अमरूद नहीं खाना चाहिए।

सेब

सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है, अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं, तो इस दिक्कत का सामना आपको करना पड़ सकता है लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं।

टमाटर

टमाटर की तासीर गर्म होती है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है। आपको सुबह के समय टमाटर खाने से परहेज करना चाहिए।

चाय-कॉफी

चाय या कॉफी को खाली पेट पीने से बचना चाहिए।आप चाय या कॉफी को बिस्किट, ब्रेड के साथ ले सकते हैं लेकिन खाली पेट या तेज भूख लगने पर सिर्फ चाय-कॉफी न लें, इससे आपके पेट में गैस बन सकती है।

दही

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें दही फायदे की जगह पर हानि पहुंचा देती है।ऐसे में दही को सुबह के समय खाली पेट खाने से बचना चाहिए, वर्ना आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

अमृत है आंवला 10 बेहतरीन फायदे

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, हर मौसम में लाभदायक होता है। यह आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही इसके और भी कई फायदे हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आमतौर पर आंवले का प्रयोग अचार, मुरब्बा या चटनी के रूप में किया जाता है,लेकिन इसका अलग-अलग तरह से सेवन आपके लिए बेहद उपयोगी है। अगर आप नहीं जानते इस अनमोल फल के बारे में तो जरूर पढ़िए -

- डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पीड़ित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करे तो बीमारी से राहत मिलती है।
- एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवला का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।
- पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नहीं होने देता।
- आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रौशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।
- बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवल सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।
- याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।
- बालों को काला, घना और चमकदार बनाने के लिए आंवले का प्रयोग होता है, इसके पाउडर से बाल धोने या फिर इसका सेवन करने से बालों की समस्याओं से निजात मिलती है

कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम है कमजोर

इम्यून सिस्टम के मजबूत होने पर हम बीमारियों से लड़ सकते हैं। यदि हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत है तो बीमारी हम पर हावी नहीं हो सकती। अगर हमारी इम्यूनिटी मजबूत है तो यह हमें न सिर्फ सर्दी और खांसी से बचाती है बल्कि हैपेटाइटिस, लंग इंफेक्शन, किडनी इंफेक्शन सहित और कई बीमारियों से हमारा बचाव होता है। लेकिन हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर है तो हम इसको कैसे पहचान सकते हैं, क्योंकि कई बार यह होता है इम्यून सिस्टम कमजोर तो होता है, पर हम इसे समझ ही नहीं पाते। आखिर कैसे पहचान करें कि आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है, आइए जानते हैं।

अगर आपको लगता है कि आप बार-बार बीमार हो रहे हैं और जुकाम की शिकायत रहती है। बार-बार सर्दी हो जाना और यदि आपके आस-पास ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे खांसी है और आपको भी इससे जल्दी खांसी या सर्दी हो जाती है तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। बदलते मौसम का आपको बीमार करना आपके कमजोर इम्यून सिस्टम को दर्शाता है। यदि आप मौसम के बदलने पर बीमार हो रहे हैं तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। व्यायाम करते समय सांसों का फूलना व जल्दी थक जाना यह कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। नींद न आना, आंखों के नीचे काले घेरे, थकान महसूस होना- यह भी कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की अपेक्षा बार-बार बीमार होते हैं, जुकाम की शिकायत रहती है, खांसी, गला खराब होना या स्किन रैशेज जैसी समस्याएं रहती हैं तो बहुत पॉसिबल है कि यह आपके इम्यून सिस्टम की वजह से हो। कैंडिडा टेस्ट का पॉजिटिव होना, बार-बार यूटीआई, डायरिया, मसूड़ों में सूजन, मुंह में छाले वगैरह भी खराब इम्यूनिटी के लक्षण हैं।

नाश्ते में इन पांच चीजों को खाने से तेजी से बढ़ता है वजन, ज्यादातर लोग करते हैं सेवन

फिटनेस पाने के लिए लोग क्या-क्या जतन करते हैं। कई सर्वे के अनुसार आप शरीर पर चर्बी होने के कारण कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं।ऐसे में आपको बैली फैट कम करने के साथ फिट रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुद को फिट रखने में ब्रेकफॉस्ट का भी अहम रोल होता है, ऐसे में आपको अगर हमेशा स्लिम ट्रिम रहना है, तो ऐसी 5 चीजें हैं, जो आपको नाश्ते में बिल्कुल नहीं खानी चाहिए-

वाइट ब्रेड - ब्रेड ज्यादातर भारतीय घरों में खाई जाती है लेकिन आपको बता दें कि ब्रेड का ज्यादा सेवन करना न सिर्फ आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे आपका वजन भी बढ़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि वाइट की जगह ब्राउन ब्रेड का सेवन करे।

प्रोसेस्ड फूड - ऐसे खाद्य पदार्थों को कई बार पकने की क्रिया से गुजरना पड़ता है। साथ ही तेल, मसाले, घी होने की वजह से ये सेहत के लिए भी अच्छे नहीं होते। आपको चिप्स, पॉपकॉर्न, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स आदि से दूर रहना चाहिए।

केक, कुकीज - केक और कुकीज में मैदे के अलावा घी और क्रीम का इस्तेमाल होता है, जो आपकी फिटनेस के हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है इसलिए आपको नाश्ते में इन चीजों को नहीं खाना चाहिए।

नूडल्स - नूडल्स खाने में तो बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन इसे हेल्दी ब्रेकफॉस्ट नहीं माना जा सकता है, इसी वजह से आपको नूडल्स नाश्ते में बिल्कुल नहीं खाने चाहिए।

फ्रूट जूस - आपको कोशिश करनी चाहिए कि मार्केट में उपलब्ध फ्रूट जूस बिल्कुल न पिएं बल्कि आप घर में ही फलों का जूस निकालकर पी सकते हैं। आपके पास अगर जूस की जगह फल खाने का समय है, तो नाश्ते के लिए सबसे बेहतरीन रहेगा।

पकौड़े-कचौड़ी - सुबह-सुबह तली चीजें खाना बिल्कुल भी सही नहीं है। आप पकौड़े और कचौड़ी जैसी तली हुई चीजें सुबह नहीं खाएंगे, तो आपकी सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

आंखों को थकान से राहत देगा गुलाब जल, कम होगा तनाव

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल न केवल आपके पूरे स्वास्थ्य पर असर डालता है बल्कि इसका असर आपकी नाजुक आंखों पर भी पड़ता है।

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ही मोबाइल के संपर्क में भी हम ज्यादा रह रहे हैं जिससे आंखों में जलन, धुंधला दिखना व खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों की देखभाल करें और जब भी आंखों पर दबाव महसूस करें तो स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में आंखों को ठंडे पानी से भी धोते रहें। आंखों की जलन की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। भले ही इस वक्त आप घर पर हैं लेकिन आंखों में जलन आप महसूस करते होंगे। इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए आपको अपनी आंखों की सही देखभाल की जरूरत है, वहीं गुलाब जल का इस्तेमाल आपको आंखों की समस्या से निजात दिला सकता है। गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों को ठंडक मिलती है, साथ ही ताजगी महसूस होती है। ओवरटाइम काम करने के दौरान आंखों में तनाव महसूस होता है इसके लिए खुद को रिलेक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कॉटन में गुलाब जल डालें और इसे अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर के लिए आंखों को आराम दें। गुलाब जल को आंखों में डालने से भी तुरंत राहत मिलती है, साथ ही फ्रेश महसूस होता है। अत : अपने आंखों का ध्यान रखें और समय-समय पर अपनी पलकों को झपकाते रहें।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मिस्ट्री महिला पाउला हर्ड को साल भर से डेट कर रहे बिल गेट्स

वाशिंगटन। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में शुमार बिल गेट्स इन दिनों अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि बिल गेट्स रिलेशनशिप में हैं। बताया जा रहा है कि बिल गेट्स सॉफ्टवेयर कंपनी ओरेकल के सीईओ रहे दिवंगत मार्क हर्ड की पत्नी पाउला हर्ड के साथ रिलेशनशिप में हैं। मार्क हर्ड की मृत्यु 2019 में हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक 67 वर्षीय बिल गेट्स 60 वर्षीय पाउला हर्ड को एक साल से अधिक समय से डेट कर रहे हैं। सूत्र ने बताया कि यह सार्वजनिक रूप से ज्ञात है कि बिल गेट्स और पाउला हर्ड डेट कर रहे हैं। गौरतलब है कि दोनों को पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन में एक साथ देखा गया था। कथित कपल को खेल देखने के दौरान अगल-बगल बैठे देखा गया था। बिल गेट्स के एक दोस्त ने बताया कि पाउला को हमेशा एक मिस्ट्री महिला के रूप में दिखाया जाता है। जबकि दोनों का अच्छे रोमांटिक रिलेशन में हैं। बता दें कि पाउला के पति का कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद अक्टूबर 2019 में 62 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। हर्ड एक इवेंट प्लानर के रूप में काम करती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाउला हर्ड और बिल गेट्स टेनिस के प्रति अपने प्यार के कारण मार्क की मौत से पहले ही काफी आगे बढ़ चुके थे। पिछले महीने, दोनों को मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया ओपन में मेन्स सिंगल फाइनल का आनंद लेते हुए देखा गया था। पाउला और मार्क की दो बेटियां कैथरीन और केली हैं।

एमी बेरा अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की उपसमिति के 'रैंकिंग सदस्य' चुने गए

वाशिंगटन। भारतीय अमेरिकी सांसद एमी बेरा को प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की उस प्रमुख उपसमिति का 'रैंकिंग सदस्य' चुना गया है जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र से जुड़े मामलों को देखती है। बेरा (57) पिछले साल कैलिफोर्निया के छठे कांग्रेशनल जिले से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में पुन-निर्वाचित हुए थे। वह सदन में सबसे वरिष्ठ भारतीय अमेरिकी सांसद हैं। अमेरिका की 118वीं कांग्रेस के निचले सदन में इस समय पांच भारतीय अमेरिकी सांसद हैं। इससे पहले बेरा ने 117वीं कांग्रेस में एशिया, प्रशांत, मध्य एशिया और परमाणु अप्रसार संबंधी मामलों से जुड़ी उपसमिति की अध्यक्षता की थी। इस दौरान उन्होंने हिंद प्रशांत में सहयोगियों और साझेदारों के साथ अमेरिकी संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों की अगुवाई की थी। बेरा ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा, ''मुझे गर्व है कि हिंद-प्रशांत मामलों संबंधी उपसमिति के रैंकिंग सदस्य के रूप में प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति में मैं नेतृत्व करता रहूंगा। हिंद-प्रशांत हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक हितों और मूल्यों के लिए दुनिया के लिए बेहद अहम क्षेत्र बना हुआ है।

किम जोंग उन पहली बार दिखे 9 वर्षीय बेटी व बीवी के संग

– उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने मिलिट्री बैरक का किया दौरा

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन को 36 दिनों बाद एक पब्लिक इवेंट में देखा गया। वह मंगलवार 7 फरवरी को पहली बार अपनी नौ साल की बेटी जू एई और पत्नी री सोल जू के साथ नजर आए। इसके साथ ही किम जोंग ने उन अटकलों और आशंकाओं को खारिज कर दिया, जिसमें कहा जा रहा था कि किम गंभीर बीमारी से ग्रस्त हैं। उत्तर कोरिया के तानाशाह ने मंगलवार को आर्म्ड फोर्सेस की स्थापना की 75वीं सालगिरह के मौके पर पत्नी और बेटी के साथ बैरक का दौरा किया और भव्य भोज में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की सेंट्रल मिलिट्री कमीशन की मीटिंग में भी हिस्सा लिया और सीनियर मिलिट्री ऑफिसर्स से मुलाकात की। माना जा रहा है कि जू एई किम जोंग उन की दूसरी संतान है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नवीनतम संकेत है कि इस लड़की को संभवत: उत्तराधिकारी के रूप में तैयार किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि भोज में किम और उनकी सम्मानित बेटी का शामिल होना, सैन्य अधिकारियों के लिए एक सपने के सच होने जैसा है। किम जोंग पब्लिक इवेंट में अपनी पत्नी और बेटी को शामिल कर देश–विदेश में अपने परिवार के वंशज और उत्तराधिकारी के तौर पर और उत्तर कोरियाई सेना के पर्यवेक्षक के रूप में दिखाना चाहते हैं। एक अन्य पर्यवेक्षक ने कहा कि यह स्पष्ट है कि किम ने अपने उत्तराधिकारी का चयन कर लिया है और वह उन उन अटकलों की पुष्टि कर रहे हैं, जो नवंबर में शुरू हुई थीं, जब अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल की लॉन्चिंग के दौरान एक लड़की की उपस्थिति के साथ शुरू हुई थी। कोरिया की सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि किम ने इस दौरान टॉप मिलिट्री अफसरों के साथ मीटिंग भी की। उन्होंने सेना में जरूरी बदलाव करने और मिलिट्री को अंदर से मजबूती देने पर बात की। रिपोर्ट के अनुसार किम ने सेना को युद्ध अभ्यास का विस्तार करने और जंग की तैयारियों को मजबूत करने का भी आदेश दिया। बता दें कि इससे पहले 2014 में भी किम जोंग 40 दिनों तक पब्लिकली सामने नहीं आए थे और तब भी कई अटकलें लगाई गई थीं।

चीनी निगरानी गुब्बारों के उड़ने के चार मामले पहले आए सामने : अमेरिकी रक्षा मंत्रालय

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने दावा किया कि अमेरिकी वायु क्षेत्र में चीनी निगरानी गुब्बारों के उड़ने के चार मामले पहले भी सामने आ चुके हैं और अमेरिका में हाल में नष्ट किया गया चीनी गुब्बारा ''कई साल'' से जारी चीन के बड़े निगरानी कार्यक्रम का हिस्सा था। पेंटागन का यह बयान उस समय में आया है, जब अमेरिकी सेना ने अमेरिका के संवेदनशील प्रतिष्ठानों के ऊपर मंडरा रहे एक चीनी निगरानी गुब्बारे को हाल में नष्ट किया था। गुब्बारे को अटलांटिक महासागर के ऊपर साउथ कैरोलाइना के तट पर एक लड़ाकू विमान ने नष्ट कर दिया था। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि चीन ने केवल अमेरिका ही नहीं, बल्कि पांच महाद्वीपों के कई देशों की संप्रभुता का उल्लंघन किया है।

इस बीच, रक्षा विभाग के प्रवक्ता जनरल पैट राइडर ने कहा कि यूएस नदर्न कमांड नष्ट किए गए गुब्बारे के मलबे को हासिल करने की कोशिश में जुटा है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि अमेरिका को इसकी जानकारी है कि इससे पहले भी चार गुब्बारे अमेरिकी क्षेत्र के ऊपर उड़ाए गए हैं। राइडर ने कहा, ''हम बड़े चीनी निगरानी गुब्बारा कार्यक्रम के तहत इस घटना की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम कई साल से चलाया जा रहा है। उन्होंने नहीं बताया कि चीन ने ये गुब्बारे कहां से भेजे हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह अमेरिका को इस कार्यक्रम के बारे में काफी कुछ पता चला।

ब्लिंकन ने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, पांच महाद्वीपों के कई देशों की संप्रभुता का उल्लंघन करने वाले इस बड़े निगरानी कार्यक्रम का केवल अमेरिका ही निशाना नहीं है।''

प्योंगयांग में उत्तरकोरिया के 75 वें स्थापना दिवस पर सैन्य परेड में मिसाइलें दिखायी गयीं।

तुर्की भूकंप : मौतों का आंकड़ा 15 हजार के पार, –5 डिग्री तापमान ने बढ़ाया डर

अंकारा। तुर्की में आए भयंकर भूकंप की वजह से कई इलाकों में बड़ी बड़ी बिल्डिंग ताश के पत्तों की तरह ढह गए। तुर्की में भूकंप के झटकों ने कई इमारतों को जमींदोज कर दिया। जिससे बड़ी तादाद में लोगों की जान गई और लोग घायल हो गए। तुर्की और सीरिया में विनाशकारी भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 15,000 पार कर गई है। वहीं, घायलों की तादाद 35 हजार से ज्यादा है। मरने वालों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। बचाव के प्रयास 72 घंटे गुजर जाने के बाद भी लगातार जारी है। कि भूकंप से बचे 90 प्रतिशत से अधिक लोगों को पहले तीन दिनों के भीतर बचा लिया गया है। राष्ट्रपति एर्दोगन ने भूकंप के केंद्र कहारनमारस का दौरा किया और प्रतिक्रिया में समस्याओं को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, 'बेशक, कमियां हैं। इस तरह की आपदा के लिए तैयार रहना संभव नहीं है। बचाव कार्यों के लिए पहले 72 घंटे महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ढह गई इमारतों के नीचे कुचले गए लोगों को चिकित्सा की आवश्यकता होती है या उनका खून बह जाता है। कई लोगों को तुर्की में ठंड के तापमान के कारण हाइपोथर्मिया होने की भी संभावना है। गजियानटेप में इस समय मौसम –5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। इस मौसम में भूकंप में बचे हुए लोगों को कारों में और टेंट में रात गुजारने को मजबूर होना पड़ रहा है।

भारत के सिस्टम पर चलता पाकिस्तान तो बर्बाद न होता: इमरान खान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान भले सत्ता में न हों, लेकिन वह लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। पिछले दिनों उन्होंने गंभीर आर्थिक संकट को लेकर शहबाज सरकार पर निशाना साधा। लाहौर स्थित अपने आवास पर विदेशी मीडिया से बात करते हुए वह कश्मीर राग अलापना नहीं भूले, लेकिन पाकिस्तान की बदहाली की असल वजह बताने के लिए उन्होंने भारत की मिसाल दी। वर्तमान में पाकिस्तान इतिहास के सबसे गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। पड़ोसी मुल्क के लिए यह वक्त और भी कठिन इसलिए है, क्योंकि दूर-दूर तक इससे बाहर आने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है। मीडिया से बात करते हुए इमरान ने कहा कि जब मैं सत्ता में वापस आऊंगा, तो भारत से तब तक बात नहीं होगी, जब तक कश्मीर की स्थिति यानी अनुच्छेद-370 बहाल नहीं हो जाता। पाकिस्तान से बातचीत को

FILE PIC

लेकर भारत का रुख बिल्कुल स्पष्ट है। भारत सरकार साफ कह चुकी है कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ संभव नहीं है। हालांकि खुद पाकिस्तान के लोग अपनी सरकार को आर्थिक हालात सुधारने के लिए भारत से संबंध सुधारने की सलाह दे रहे हैं।

इमरान खान ने अपने मुल्क की बदहाली के कारण गिनाते हुए भारत की मिसाल दी। उन्होंने कहा कि कानून के शासन के बगैर पाकिस्तान तरक्की नहीं कर सकता। भारत को ही देख लें। वहां इसीलिए विकास हो रहा है, क्योंकि वहां कानून का शासन है। इमरान ने पीएमएल (एन) और उसकी सहयोगी पार्टियों पर पीटीआई नेताओं और चुनाव में धांधली करने की योजना बनाई है। कभी सेना के सहारे सत्ता में आए इमरान ने सरकार और सैन्य प्रतिष्ठान पर साथ मिलकर उन्हें राजनीति से बाहर करने का आरोप लगाया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कुछ दिनों पहले कहा था कि पाकिस्तान ने अपना सबक सीख लिया है। वह भारत के साथ शांति से रहना चाहता है। शहबाज ने पीएम नरेंद्र मोदी से बातचीत का अनुरोध भी किया था। भारत की तरफ से शहबाज शरीफ और पाक विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो को शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। यह बैठक गोवा में मई 2023 में होगी, जिसकी अध्यक्षता भारत करेगा।

बाढ़ पीड़ितों को सामने कर आईएमएफ से कर्ज देने के लिए गिड़गिड़ाने लगे बिलावल भुट्टो, कहा– अब तो पैसा दे दो

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की तंगहाली किसी से छुपी नहीं है। खैरात का कटोरा लेकर वो कभी विश्व बैंक तो कभी अरब देशों के पास मदद मांगता फिर रहा है। वहीं पाकिस्तान के बिगड़ते आर्थिक हालात ने वहां के हुक्मरानों के तेवर भी ढीले कर दिए हैं। आलम ये हो गया है कि वो अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के सामने गिड़गिड़ाने लगे हैं। इतना ही नहीं पाकिस्तान के मंत्री बिलावल भुट्टे तो बाढ़ पीड़ितों को सामने कर आईएमएफ से कर्ज देने की गुजारिश करते नजर आए। पाकिस्तान स्थित डॉन अखबार ने बताया कि विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और पाकिस्तान सरकार को देश में बाढ़ से प्रभावित लोगों की दुर्दशा पर विचार करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे आर्थिक कठिनाइयों से सुरक्षित हैं।

सीपीसी दूसरे देशों के साथ–साथ अपने ही लोगों के लिए बनी 'विरोधी इकाई' : कृष्णमूर्ति

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने बुधवार को कहा कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी कई देशों के साथ-साथ अपने ही लोगों के लिए एक 'विरोधी इकाई' बन गई है। उन्होंने कहा कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी यानी सीसीपी को यह स्पष्ट करना एक चुनौती है कि उसका बार-बार अंतरराष्ट्रीय कानून और दूसरों की संप्रभुता का उल्लंघन अस्वीकार्य है। अमेरिकी हवाई क्षेत्र में चीन के एक कथित जासूसी गुब्बारे के प्रवेश करने के बाद कृष्णमूर्ति ने यह बयान दिया। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बुधवार को कहा था कि चीन ने केवल अमेरिका ही नहीं, बल्कि पांच महाद्वीपों के कई देशों की संप्रभुता का उल्लंघन किया है।

गुब्बारा 30 जनवरी को मोंटाना में अमेरिकी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद कई दिनों तक महाद्वीपीय अमेरिका के ऊपर उड़ता रहा। अमेरिकी सेना ने अमेरिका के संवेदनशील प्रतिष्ठानों के ऊपर मंडरा रहे चीनी निगरानी गुब्बारे को गिरा दिया था। चीन ने दावा किया है कि यह मौसम विज्ञान अनुसंधान के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला गुब्बारा था, लेकिन उसने यह बताने से इनकार कर दिया कि यह किस सरकारी विभाग या कंपनी का था। कृष्णमूर्ति (49) ने चीन पर सदन की नवगठित समिति की पहली बैठक के बाद मीडिया से कहा कि हम इसे बर्दाशत नहीं कर सकते। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम (सीपीपी को) स्पष्ट संदेश दें और साथ ही आक्रामकता को रोकें। राजा कृष्णमूर्ति को हाल ही चीन पर सदन की समिति का 'रैंकिंग सदस्य' बनाया गया है। समिति का गठन प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी द्वारा 118वीं कांग्रेस (संसद) में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा अमेरिका के समक्ष पेश की जाने वाली आर्थिक, प्रौद्योगिकी और सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने और उनसे निपटने के तरीकों पर विचार करने के लिये किया गया है।

भारत को सीख देने वाले तुर्की का अब बदल गया रवैया?

इस्तांबुल (एजेंसी)। कभी कश्मीर के मुद्दे पर भारत को सीख देने वाले तुर्की का रवैया अब बदल गया है। कश्मीर मसले पर वह पाकिस्तान के स्टैंड का साथ देता रहा है, लेकिन भीषण भूकंप के बाद भारत की उदारता ने शायद उसके रुख को बदल दिया है। भारत की ओर से तुर्की को मदद भेजे जाने पर उसके राजदूत ने कहा है कि आप हमारे मुसीबत के दोस्त हैं। भारत में तैनात तुर्की के राजदूत फिरात सुनेल ने कहा था कि दोस्त तुर्की और हिंदी में कॉमन शब्द है। हमारे यहां एक कहावत है- जरूरत पर जो काम आता है, वही सच्चा दोस्त होता है। यही नहीं भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर का कहना है कि हमारी परंपरा वसुधैव कुटुम्बकम की है, उसके तहत ही हम मदद कर रहे हैं। यही नहीं एक तरफ तुर्की ने भारत को सच्चा दोस्त बताया है तो वहीं कश्मीर मसले पर अकसर जिस पाकिस्तान का वह साथ देता था, उसके पीएम शहबाज शरीफ को देश में आने से ही मना कर दिया है। शहबाज शरीफ को बुधवार को पहुंचना था, लेकिन उससे ठीक पहले ही तुर्की ने कहा कि आप यहां न आएं। ऐन वक्त पर तुर्की से आई खबर के बाद शहबाज शरीफ को अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी। तुर्की ने शहबाज शरीफ से आग्रह किया कि वे उसके अंकारा शहर की यात्रा को टाल दें। तुर्की ने कहा कि हम इस समय संकट की स्थिति में हैं और लोगों के बचाव का काम तेजी से चल रहा है। ऐसी स्थिति में आपका यहां आना ठीक नहीं रहेगा।

आतंक के लिए अफगानिस्तान के इस्तेमाल की इजाजत किसी को नहीं: अजित डोभाल

–मॉस्को में डोभाल ने पाकिस्तान को सुनाई खरी–खरी

मास्को (एजेंसी)। रूस की राजधानी मॉस्को में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने अफगानिस्तान पर एक सुरक्षा संवाद में पाकिस्तान को खरी-खरी सुनाई। इसमें बदलते क्षेत्रीय सुरक्षा मानकों पर भी चर्चा के दौरान डोभाल ने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर सीधा संदेश दिया। उन्होंने साफ कहा कि किसी भी देश को अफगानिस्तान की जमीन का आतंक के लिए इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत जरूरत के वक्त अफगान के लोगों को कभी नहीं छोड़ेगा।

मास्को में अफगानिस्तान पर पांचवीं क्षेत्रीय चर्चा में एनएसए अजित डोभाल ने कहा कि किसी देश को अफगान की जमीन का इस्तेमाल आतंकवाद और अलगाववाद को बढ़ावा देने की

अनुमति न दी जाए। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल पहले अफगान लोगों के कल्याण के लिए होना चाहिए। अजित डोभाल ने कहा कि अफगानिस्तान एक मुश्किल दौर से गुजर रहा है और भारत के अफगानिस्तान से ऐतिहासिक और खास संबंध हैं। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के लोगों की खुशहाली और मानवीय आवश्यकता भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता है और नई दिल्ली जरूरत के वक्त अफगानिस्तान के लोगों को कभी अकेला नहीं छोड़ेगी।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में आतंकवाद एक बड़ा खतरा बन गया है। इस्लामिक स्टेट तथा लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों से निपटने में संबंधित देशों तथा उसकी एजेंसियों के बीच खुफिया और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता है। बता दें कि अजित डोभाल ने बुधवार को रूस की दो दिवसीय यात्रा शुरू की। इस दौरान मेजबान देश तथा भारत के अलावा ईरान, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, चीन, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने अफगानिस्तान पर सुरक्षा परिषद के सचिवों की पांचवीं बहुपक्षीय बैठक में भाग लिया। सूत्रों ने बताया कि बैठक में अफगानिस्तान की सुरक्षा स्थिति तथा उसके सामने खड़ी मानवीय चुनौतियों समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

आईएसआईएल–के ने भारत, ईरान और चीन के दूतावासों पर हमले की धमकी दी

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र ने रिपोर्ट में कहा है कि इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लेवांत–खुरासान (आईएसआईएल–के) ने अफगानिस्तान में भारत, ईरान और चीन के दूतावासों पर आतंकवादी हमले की धमकी दी है। इसमें कहा गया कि उन्हें निशाना बनाकर यह आतंकवादी समूह तालिबान और मध्य एवं दक्षिण एशिया क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के बीच संबंधों को कमजोर करना चाहता है। आईएसआईएल–के द्वारा पैदा किए गए खतरे पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस की रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों पर महासचिव की 16वीं रिपोर्ट में कहा गया है, ''आईएसआईएल–के मध्य एवं दक्षिण एशिया में बड़ा आतंकवादी खतरा है और अपने बाह्य अभियानों को अंजाम देने की समूह की मंशा बरकरार है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईएसआईएल–के ने खुद को तालिबान के ''प्राथमिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में स्थापित किया और वह कथित रूप से यह दिखाना चाहता है कि तालिबान देश में सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम नहीं है। इसमें कहा गया है, ''आईएसआईएल–के विभिन्न राजनयिक मिशन को निशाना बनाकर तालिबान और क्षेत्र के सदस्य देशों के बीच संबंधों को कमजोर करना चाहता था।

जेलेंस्की ने पेरिस में इमैनुएल मैक्रों, ओलाफ शोल्ज से की मुलाकात

पेरिस। (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार को ब्रिटेन और फ्रांस की औचक यात्रा के दौरान रूस के आक्रमण के खिलाफ अपने देश के लिए पश्चिमी देशों का समर्थन मांगा। ब्रिटेन की संसद को संबोधित करने के बाद वह पेरिस पहुंचे। उन्होंने एलिसी पैलेस (फ्रांस के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास) में रात्रिभोज में फ्रांस और जर्मनी के नेताओं से मुलाकात की। यह यात्रा ऐसे समय में की जा रही है, जब रूस के आक्रमण का सामना कर रहा यूक्रेन अपनी सरजमीं को रूस के कब्जे से वापस लेने की योजना बना रहा है और इसके लिए उसे पश्चिमी देशों के समर्थन व उनसे हथियार की दरकार है। फ्रांस पहुंचे जेलेंस्की ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज के साथ पेरिस में रात्रिभोज किया।

जेलेंस्की का एलिसी पैलेस की सीढ़ियों पर बुधवार रात मैक्रों ने गले लगाकर स्वागत किया और फिर तीनों नेता अंदर चले गए। यह यात्रा फ्रांस और जर्मनी के साथ यूक्रेन के संबंधों में बदलाव का प्रतीक है। इससे पहले यूक्रेन में कई लोगों ने कहा था कि दोनों देश युद्ध में पर्याप्त मदद नहीं कर रहे हैं। मैक्रों ने रात्रिभोज से पहले कहा, ''यूक्रेन युद्ध जीतने के लिए फ्रांस, उसके यूरोपीय सहयोगियों और भागीदारों पर भरोसा कर सकता है। रूस युद्ध नहीं जीत सकता और उसे जीतना भी नहीं चाहिए।'' उन्होंने कहा कि वे यूक्रेन की ''परिचालन संबंधी जरूरतों'' पर चर्चा करेंगे। मैंक्रों ने कहा, ''हम कोशिश जारी रखेंगे।'' इससे पहले ब्रिटेन में जेलेंस्की ने रूस के आक्रमण के ''पहले दिन'' से उसका साथ देने के लिए ब्रिटेन के लोगों का शुक्रिया अदा किया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि यूक्रेन को लड़ाकू विमान देने पर भी चर्चा की गई। उन्होंने ब्रिटेन के सैन्य अड्डे में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' सभी पहलुओं पर चर्चा की गई। हमें अभी यूक्रेन को हथियार देने चाहिए और आगे चलकर उसका सहारा बनना चाहिए।''

जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन को सभी चीजों की आपूर्ति चाहिए। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को केवल विमानों की नहीं बल्कि गोला-बारूद और लंबी दूरी वाली मिसाइलों की भी आपूर्ति चाहिए। जेलेंस्की ने ब्रिटेन की अपनी यात्रा को ''बेहद कारगर'' बताया। रूस के 24 फरवरी 2020 को यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद जेलेंस्की बुधवार को दूसरी बार देश से बाहर निकले। पहली बार वह पिछले साल दिसंबर में अमेरिका गए थे और वहां राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात करने के अलावा उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित

किया था। जेलेंस्की के ब्रसेल्स में बृहस्पतिवार को यूरोपीय संघ के नेताओं से मिलने की भी संभावना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रफुल्ल पटेल को ईडी का झटका जब्त की जाएगी 100 करोड़ की संपत्ति

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल से जुड़ी संपत्तियां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा सीज की गई हैं। ईडी ने पिछले साल यह जब्ती की थी। यह संपत्ति मुंबई के वर्ली इलाके में लोकप्रिय इमारत सीजय हाउस में है। अंडरवर्ल्ड डॉन इकबाल मिर्ची के मामले में यह कार्रवाई की गई। मिलेनियम डेवलपर्स प्रफुल्ल पटेल और उनके परिवार के स्वामित्व वाली एक निर्माण कंपनी थी। 2006-07 में इस कंपनी ने दक्षिण मुंबई के वर्ली में सीजय हाउस बिल्डिंग का निर्माण किया। जिस जमीन पर यह इमारत बनी है वह अंडरवर्ल्ड डॉन इकबाल मिर्ची की थी। इकबाल मुंबई में कुख्यात दाऊद इब्राहिम का काम देख रहा था। पटेल की निर्माण कंपनी ने इमारत की तीसरी और चौथी मंजिल को इकबाल की पत्नी हाजरा मिर्ची को स्थानांतरित कर दिया बदले में उनकी जमीन पर इमारत का निर्माण किया गया। बाद में इकबाल मिर्ची का नाम हवाला घोटाले में आया था। जिसके बाद ईडी ने मामले की जांच शुरू की। उस वक्त यह बात सामने आई थी कि उसकी सारी संपत्ति हवाला के पैसों से खरीदी गई है। इसलिए ईडी ने भी सीजय हाउस के खिलाफ कार्रवाई की। इसके तहत बिल्डिंग की तीसरी और चौथी मंजिल सीज की गई थी। उस स्थान का वर्तमान बाजार मूल्य 100 करोड़ रुपये है। ईडी सूत्रों के मुताबिक प्रफुल्ल पटेल का भी इसी बिल्डिंग में एक फ्लैट है। उनके पास ऊपरी मंजिल पर लगभग 3500 वर्ग फुट का एक फ्लैट है। इसलिए अक्टूबर 2019 में ईडी ने उनसे 12 घंटे पूछताछ की और उनका जवाब दर्ज किया। उसके बाद इस इमारत की चारों मंजिलों को जब्त कर लिया गया। अब इस पर ईडी ने मुहर लगा दी है। आपको बता दें कि महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के सत्ता में आने के बाद से एनसीपी के कई प्रमुख नेता केंद्रीय जांच एजेंसियों के रडार पर आ गए थे. इनमें से अनिल देशमुख और नवाब मलिक को जेल जाना पड़ा। देशमुख कुछ दिन पहले ही जेल से छूटे हैं। हाल ही में ईडी ने कोल्हापुर में एनसीपी नेता हसन मुश्रीफ के घर पर छापा मारा था। इसके बाद से ही कयास लगाए जा रहे थे कि हसन मुश्रीफ को कभी भी गिरफ्तार किया जा सकता है। अब देखने वाली बात यह होगा कि ईडी प्रफुल्ल पटेल के मामले में क्या करती है ? बता दें कि प्रफुल्ल पटेल को शरद पवार का सबसे करीबी नेता के रूप में जाना जाता है।

नेपाल की महिला ने मुंबई में की आत्महत्या

मुंबई। मुंबई के डोंगरी इलाके में स्थित एक लॉज में नेपाल की एक 34 वर्षीय महिला ने आत्महत्या कर ली. पुलिस ने कहा कि महिला कुछ दिन पहले काम के सिलसिले में मुंबई आई थी. वहां से कुछ दस्तावेज मिले हैं जिनसे उसकी पहचान का पता चलता है. महिला ने यह कदम क्यों उठाया इसकी जांच की जा रही है. मृतक महिला की पहचान फूलमाया राम बहादुर कामी के रूप में हुई है. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मंगलवार रात करीब 8.50 बजे डोंगरी थाने को गफूर पैलेस लॉज से फोन आया. सूचना देने वाले ने हमें बताया कि एक महिला ने अपने लॉज में एक कमरे के अंदर खुद को बंद कर लिया था और एक घंटे से अधिक समय तक वह दरवाजा नहीं खोल रही थी. एक टीम को मौके पर भेजा गया. कारपेंटर की मदद से दरवाजा तोड़ा गया. पुलिस अधिकारियों ने कामी को वहां बेहोश पाया और उसे पास के अस्पताल ले गए. जहां इलाज से पहले उसे मृत घोषित कर दिया गया. जांच के दौरान अधिकारियों को उसके नाम के बारे में पता चला. यह भी पता चला कि वह नेपाल की रहने वाली थी. पुलिस ने उनके परिवार के सदस्यों को सूचित कर दिया है और वे मुंबई पहुंच रहे हैं.

पंजाब के गुरदासपुर में सीमा के समीप पाकिस्तानी ड्रोन देखा गया, बीएसएफ के गोलीबारी करने पर लौटा

चंडीगढ़। पंजाब के गुरदासपुर जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के समीप एक पाकिस्तानी ड्रोन देखा गया और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों द्वारा गोलीबारी किए जाने के बाद यह पड़ोसी देश लौट गया। बीएसएफ के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बुधवार को रात करीब नौ बजकर 40 मिनट पर गुरदासपुर में आदिया सीमा चौकी के समीप ड्रोन दिखाई दिया और बल के जवानों द्वारा गोलियां चलाये जाने के बाद यह मानव रहित यान पाकिस्तान लौट गया। अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ जवानों ने पाकिस्तानी ड्रोन पर 16 गोलियां चलाईं और रोशनी पैदा करने वाले एक बम का भी उपयोग किया। उन्होंने बताया कि तलाश अभियान जारी है।

भाजपा ने किसानों को निराश किया, जनता उन्हें सत्ता से बाहर करेगी– अखिलेश

बुलंदशहर। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को उम्मीद जताई कि जिस तरह से भाजपा ने किसानों और व्यापारियों को निराश किया है, जनता उन्हें सत्ता से बाहर करेगी और कुछ दल इस दिशा में एक मोर्चा बनाने का प्रयास कर रहे हैं। यहां एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने आए अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा की सरकार उद्योगपति अडाणी को लाभ पहुंचाने के लिए सहयोग कर रही है और जब उद्योगपतियों के साथ सरकार मिल जाए तो जनता का नुकसान ही होता है। उन्होंने कहा कि महंगाई चरम सीमा पर है और किसान भी परेशान है। उन्होंने कहा कि सरकार अभी तक गन्ना किसानों का भुगतान तक नहीं कर पाई है, जो सरकार डिफेंस एक्सपो के नाम पर बुंदेलखंड में मिसाइल और बम बनाए जाने की बात करती है वह आज तक धरातल पर नहीं उतरी और अब सरकार इन्वेस्टर समिट का ढिंढोरा पीट रही है।

मेघालय में 51 करोड़ रुपये से अधिक की शराब, मादक पदार्थ, नकदी जब्त की गई

नई दिल्ली। मेघालय के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) एफ आर खारकोंगोर ने बुधवार को कहा कि चुनाव अधिकारियों ने राज्य में 51 करोड़ रुपये से अधिक की शराब, मादक पदार्थ, नकदी और उपहार जब्त किए हैं। मेघालय की 60 सदस्यीय विधानसभा के लिए 27 फरवरी को चुनाव होने हैं। एफ आर खारकोंगोर ने पीटीआई–से कहा, '' चुनाव अधिकारियों ने पूरे मेघालय में कुल 51.27 करोड़ रुपये की शराब, मादक पदार्थ, नकदी और उपहार जब्त किए हैं।'' उन्होंने कहा कि 18 जनवरी से मंगलवार (सात फरवरी) तक आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से राज्य और केंद्रीय प्रवर्तन एजेंसियों के उड़न दस्ते एवं स्थिर निगरानी टीमों द्वारा बरामदगी की गई थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के मुताबिक राज्य भर में कम से कम ऐसे 34 विधानसभा क्षेत्रों की पहचान की गयी है जो 'व्यय की दृष्टि से संवेदनशील' हैं और उड़न दस्ते इन विधानसभा क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही पर कड़ी नजर रख रहे हैं। राज्य चुनाव कार्यालय ने पहले ही राज्य भर में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 20 कंपनियों को तैनात कर दिया है। इस बीच, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की एक टीम ने पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले में 55 हजार रुपये मूल्य के नकली नोट जब्त किए। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने कहा कि भारत–बांग्लादेश सीमा पर तैनात बीएसएफ की टीम ने मंगलवार की आधी रात में बांग्लादेश से आ रहे बदमाशों की संदिग्ध गतिविधि का पता लगाया। घुसपैठियों को चुनौती देने पर, वे बांग्लादेश की ओर भाग गए, लेकिन 500 रुपये के मूल्यवर्ग में 105 नकली नोटों से भरा एक बैग पीछे छोड़ गए। उन्होंने कहा कि नकली नोट बहुत निम्न श्रेणी के थे और इस बात का संदेह था कि वे स्थानीय रूप से बांग्लादेश में छपे थे। इस घटना के सिलसिले में उमकियांग पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

हिलेरी क्लिंटन ने एलोरा की बौद्ध, हिंदू और जैन गुफाओं में समय बिताया

नई दिल्ली। अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने बुधवार को महाराष्ट्र में एलोरा की गुफाओं में करीब ढाई घंटे बिताए। एक अधिकारी ने पीटीआई–को यह जानकारी दी। हिलेरी क्लिंटन ने आगंतुक पुस्तिका में अपनी टिप्पणी में गुफा परिसर को एक असाधारण ऐतिहासिक स्थल करार दिया। एलोरा की गुफाएं यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल हैं। हिलेरी औरंगाबाद शहर के दो दिवसीय दौरे पर थीं। वह मंगलवार अपराह्न यहां पहुंचीं और रात्रि विश्राम के लिए खुल्ताबाद कस्बे के लिए रवाना हो गईं। संरक्षण सहायक राजेश वाकलेकर ने कहा, '' हिलेरी क्लिंटन पूर्वाह्न करीब 10.30 बजे विश्व धरोहर स्थल पर पहुंचीं और वहां करीब ढाई घंटे तक रहीं। वह एलोरा की हिंदू, बौद्ध और जैन गुफाओं में गईं। यह गुफा संख्या- 10 (बौद्ध), 16 (कैलाश–हिंदू), 32 और 34 (इंद्रसभा–जैन) में गईं।''

एलएसी के बारे में जयशंकर ने जो बताया- वह साबित करता है कि देश सुरक्षित हाथों में है

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष की ओर से बार-बार सवाल उठाया जा रहा है कि चीन से सटी सीमा पर सरकार हालात को ठीक से संभाल नहीं पा रही है। इस बारे में सोशल मीडिया पर तमाम तरह की अफवाहें भी फैलाई जा रही हैं लेकिन विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जो कुछ बताया है वह आंखें खोलने वाला भी है और देश की जनता को आश्वस्त करने वाला भी है। हम आपको बता दें कि विदेश मंत्री जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में 33 महीने से जारी सीमा गतिरोध के बीच बताया है कि भारत ने स्पष्ट ''सामरिक कारणों'' से चीन के साथ लगती उत्तरी सीमाओं पर बुनियादी ढांचे के तेजी से विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। जयशंकर ने संवाददाताओं के एक समूह को बताया है कि लद्दाख क्षेत्र में 135 किलोमीटर तक फैली रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चुशुल-डुंगती-फुकचे-डेमचोक सड़क पर काम पिछले महीने शुरू हुआ था। जयशंकर ने बताया कि चीन के साथ लगती सीमा पर सैनिकों की तैनाती बनाए रखने के लिए आवश्यक 16 प्रमुख दर्रों को रिकॉर्ड समय में और पिछले वर्षों की तुलना में बहुत पहले खोल दिया गया है। हम आपको बता दें कि अरूणाचल प्रदेश, सिक्किम और लद्दाख में सीमावर्ती क्षेत्रों से लगे कुछ पर्वतीय दर्रों को भीषण सर्दी के महीनों में भारी हिमपात के कारण बंद कर दिया जाता है। सरकार की प्राथमिकताओं के बारे में बताते हुए जयशंकर ने कहा कि 2014 से 2022 तक चीन की सीमाओं पर 6,806 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया गया जोकि 2008 और 2014 के बीच निर्मित 3,610 किलोमीटर सड़क से लगभग दोगुनी है। चीन से लगी सीमा पर पुलों के निर्माण के संबंध में उन्होंने कहा कि 2008 से 2014 तक निर्मित पुलों की कुल लंबाई 7,270 मीटर थी, जबकि 2014 से 2022 के बीच यह बढ़कर 22,439 मीटर हो गई। जयशंकर ने कहा, ''हमने स्पष्ट ''सामरिक कारणों'' से चीन के साथ लगती उत्तरी सीमाओं पर बुनियादी ढांचे के तेजी से विकास पर ध्यान केंद्रित किया है।'' विदेश मंत्री ने कहा कि 13,700 फुट की ऊंचाई पर स्थित बलीपारा-चारद्वार-तवांग रोड पर सेला सुरंग के निर्माण से भारतीय सेना का तवांग के निकट वास्तविक नियंत्रण रेखा तक हर मौसम में संपर्क बना रहेगा। उन्होंने बताया कि इसमें दो सुरंगें हैं- एक 1,790 मीटर लंबी, दूसरी 475 मीटर लंबी। इस सुरंग का निर्माण अगस्त तक पूरा होने की उम्मीद है। एक बार इसका निर्माण पूरा हो जाने के बाद, यह 13,000 फुट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित दुनिया की सबसे लंबी दो-लेन सुरंग होगी। विदेश मंत्री ने अत्यधिक ऊंचाई वाले और दुर्गम सीमा क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए नई तकनीकों को अपनाने की भी बात कही। इस बातचीत के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नेपाल, बांग्लादेश और भूटान सहित पड़ोसी देशों के साथ विभिन्न संपर्क परियोजनाओं पर भी प्रकाश डाला।

दूसरी ओर, चीन की चालबाजियों को देखते हुए जयशंकर उसे घेरने में भी जुटे हुए हैं। इसके तहत भारत और न्यूजीलैंड ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य आक्रामकता को लेकर बढ़ रही वैश्विक चिंताओं के बीच नियम आधारित क्षेत्र के लिए अपनी साझा दूरदृष्टि पर चर्चा की है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और न्यूजीलैंड की विदेश मंत्री नैनिया महुता ने आर्थिक भागीदारी, शैक्षिक आदान-प्रदान, रक्षा सहयोग और लोगों के बीच परस्पर संपर्क के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों पर भी चर्चा की।

इसके अलावा, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस सप्ताह कनाडा की अपनी समकक्ष मेलानी जोली के साथ व्यापार और निवेश समेत विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। दोनों नेताओं ने वैश्विक स्थिति खासतौर से यूक्रेन में संघर्ष और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिति पर भी चर्चा की। इस मुलाकात के बाद जयशंकर ने ट्वीट में कहा, ''वैश्विक स्थिति खासतौर से हिंद-प्रशांत और यूक्रेन संघर्ष पर विचार साझा किए। कनाडा की हिंद-प्रशांत रणनीति का स्वागत। हम हमारी जी20 अध्यक्षता के लिए कनाडा के समर्थन की सराहना करते हैं जिसमें आर्थिक वृद्धि और विकास की चुनौतियों पर गौर किया जाएगा।'' हम आपको बता दें कि कनाडा ने नवंबर में हिंद-प्रशांत के लिए एक व्यापक रणनीति बनाई थी, जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देना था। कनाडा की हिंद-प्रशांत रणनीति में भारत को इस क्षेत्र में एक प्रमुख देश के रूप में सूचीबद्ध किया गया और कहा गया कि कनाडा, नयी दिल्ली के साथ आर्थिक संबंध बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

कोर्ट ने उपराष्ट्रपति धनखड़, रीजीजू के खिलाफ दायर याचिका खारिज की

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम प्रणाली और न्यायपालिका के खिलाफ उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और केंद्रीय विधि मंत्री किरेन रीजीजू की टिप्पणी को लेकर दायर एक जनहित याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी। 'बॉम्बे लॉयर्स एसोसिएशन' द्वारा दायर याचिका में दावा किया गया कि रीजीजू और धनखड़ की टिप्पणियों और आचरण से संविधान में उनके विश्वास की कमी दिखती है। इसमें धनखड़ को उपराष्ट्रपति के रूप में कर्तव्य का निर्वहन करने से रोकने और रीजीजू को भी केंद्र सरकार के कैबिनेट मंत्री के रूप में काम करने से रोकने का आदेश देने का अनुरोध किया गया था। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एस. वी. गंगापुरवाला और न्यायमूर्ति संदीप मार्ने की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता के वकील अहमद आब्दी और प्रतिवादियों की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) अनिल सिंह की दलीलें सुनीं। अदालत ने कहा, '' हम कोई राहत देने के इच्छुक नहीं है। याचिका खारिज की जाती है। कारण बाद में बताए जाएंगे।'' रीजीजू ने हाल ही में कहा था कि न्यायाधीशों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली अस्पष्ट है और इसमें पारदर्शिता की कमी'' है। वहीं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा था कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) अधिनियम को रद्द करना संसदीय संप्रभुता के साथ एक गंभीर समझौता था।

2024 के चुनावों से पहले महाराष्ट्र में होगा बड़ा खेल, उद्धव सेना की होगी एनडीए में वापसी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिस भाजपा के बारे में कभी कहा जाता था कि 'बैठक, भोजन और विश्राम... भाजपा के यह तीन काम' उस अवधारणा को नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी ने पूरी तरह बदलकर रख दिया। 182 की चौखट पर हांफने वाली बीजेपी अपने बूते बहुमत के आंकड़े को पार करने का करिश्मा एक बार नहीं बल्कि दो-दो बार करके दिखाया और 2019 की जीत को 2014 से भी बड़ा बनाया। नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी पूरे देश में ऐसी दौड़ी की क्या भोपाल क्या जयपुर क्या बंगाल एक-एक कर सारे प्रदेश भाजपा की झोली में आकर गिरने लगे। मोदी के अश्वमेध रथ पर अमित शाह जैसा सारथी घर्र-घर्र करते हुए आगे बढ़ा तो उसकी चाप से हिन्दुस्तान का मुकद्दर रचने चले नए सिंकंदर की जयजयकार सुनाई पड़ने लगी। 2019 में भाजपा को मिली विराट सफलता के बाद राजनीति की दुनिया की ये मशहूर जोड़ी 2024 के आम चुनाव में जीत का हैट्रिक लगाने को बेताब नजर आ रही है।

महाराष्ट्र में होगा कोई नया खेल?

2024 के चुनाव में अभी तो वैसे करीब साल भर का वक्त शेष है। लेकिन लोकसभा की सीटों के लिहाज से सबसे अहम प्रदेश महाराष्ट्र पर इस जोड़ी की निगाहें टिकी हैं, जहां 48 लोकसभा सीटें आती हैं। लगभग 25 वर्षों तक चले शिवसेना के साथ भाजपा का गठबंधन टूट चुका है और साथ ही टूट नहीं है उद्धव ठाकरे की पार्टी भी। वैसे महाराष्ट्र की राजनीति को करीब से जानने वाले एक बात से भली-भांति अवगत होंगे की तमाम तरह की राजनीतिक प्रतिद्ववंदिता और सियासी शह व मात के खेल के बीच पीएम मोदी ऐसे के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार और उद्धव सेना की कमान संभालने वाले उद्धव ठाकरे दोनों के ही साथ व्यक्तिगत संबंध बेहद मधुर हैं। विरोधियों पर आक्रमक प्रहार के लिए जाने जाने वाली ठाकरे सेना इस बात का हमेशा से ख्याल रखती है कि पीएम मोदी पर तीखा हमला से बचा जाए। उनका बार-बार ताना मारना देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे तक ही सीमित है। असंभावित एमवीए (महा विकास अघाड़ी) गठबंधन और सरकार बनाने वाले पवार भी ठाकरे के संकटमोचक हैं। वैसे पवार ने पीएम मोदी से निजी संबंध बनाए हैं।

कोश्यारी का इस्तीफा है शुरुआत

शिवसेना के साथ राकांपा और कांग्रेस ने एमवीए गठबंधन के जरिए महाराष्ट्र में नए तरह से प्रयोग की नींव रखी। लेकिन जून 2022 में शिंदे के विद्रोह के बाद उन्हें सत्ता गंवानी पड़ी और शिवसेवना ने पार्टी में टूट के तौर पर इसकी कीमत भी चुकाई। भाजपा के साथ गठजोड़ करने के उनके फैसले से गिरा दिया गया था। इसी बीच महाराष्ट्र की राजनीति में एक और चीज देखने को मिली जब ठाकरे के शासन के दौर में उन पर बेहद ही मुखर रहने वाले राज्यपाल बी एस कोशियारी ने अपना इस्तीफा दे दिया। बीएस कोशियारी का 'इस्तीफा' एक संकेत है कि केंद्र शिवसेना के साथ संबंधों में 'अड़चन' को दूर करने की कोशिश कर रहा है। कांग्रेस में हालिया आंतरिक कलह ने उसके सहयोगियों के भी कान खड़े कर दिए हैं।

बीएमसी चुनाव बनेगा बड़ा फैक्टर

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की चुनाव तिथि जल्द ही घोषित होने की संभावना है। इसका प्रदेश की राजनीति में महत्व को 40 हजार करोड़ रुपये के बजट के साथ ही अंदाजा लगा सकते हैं। बीएमसी, भारत में सबसे समृद्ध सहयोग, वर्तमान में शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट द्वारा नियंत्रित है, जिसमें भाजपा दूसरे स्थान पर है। शिवसेना का ठाकरे गुट यह सुनिश्चित करेगा कि वह बीएमसी पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए ऐड़ी चोटी का जोर लगा रही है। बीएमसी शिवसेना को धन और शक्ति प्रदान करती है और वह अपने दशकों पुराने नियंत्रण को सुनिश्चित करने के लिए सौदा करने से नहीं हिचकेगी।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज पेश करेंगे बजट

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शुक्रवार को अगले वित्त वर्ष का बजट पेश करने वाले हैं। चुनावी साल में आ रहा बचत, राहत वाला यह बजट युवाओं और महिलाओं पर केंद्रित होगा। गहलोत ने ट्वीट किया,''बचत, राहत, बढ़त.. आ रहा है। 10 फरवरी को पूर्वाह्न 11 बजे राजस्थान बजट पेश किया जाएगा।'' उल्लेखनीय है कि गहलोत के पास वित्त विभाग भी है। उनका यह मौजूदा कार्यकाल का पांचवां एवं अंतिम बजट होगा। राज्य में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। गहलोत कह चुके हैं कि आगामी (वित्त वर्ष 2023-24) बजट युवाओं एवं महिलाओं पर केंद्रित होगा और राज्य के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा। जानकारों के अनुसार इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ऐसा माना जा रहा है कि बजट में सरकार युवाओं और समाज कल्याण के लिए कई नई योजनाएं और कार्यक्रम पेश कर सकती है।

मुख्यमंत्री ऐलान कर चुके हैं कि राज्य सरकार महंगाई के असर को कम करने के लिए गरीब परिवारों को 500 रुपये प्रति सिलेंडर की दर से साल में 12 सिलेंडर देगी। इसके अलावा वह गरीब परिवारों को रसोई किट देने पर विचार करने की बात भी कह चुके हैं। मुख्यमंत्री कह चुके हैं कि सरकार जल्द ही ओला, उबर, स्विगी जैसे ऐप के माध्यम से काम कर रहे गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा के लिए भी योजना बनाएगी, ताकि कंपनियां इनके साथ मनमानी ना कर सकें।

कड़ी सुरक्षा के बीच आज से शुरु होगी यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023

–13 हजार से अधिक कंपनियां 21 लाख करोड़ का एमओयू करेगी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी की राजधानी लखनऊ में 10 से 12 फरवरी तक ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 का आयोजन होने वाला है। इसकी शुरुआत 10 फरवरी को होगी। इस समिट में 13 हजार से अधिक कंपनियां 21 लाख करोड़ का एमओयू करेगी। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अगले दिन जी-20 की बैठकों का सिलसिला शुरु होगा। आने वाले मेहमानों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है।

बता दें कि लखनऊ में शुक्रवार से महामेला शुरू हो जाएगा। राज्य को निवेश का केंद्र बनाने के लिए आयोजित होने जा रही 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में उद्योगपतियों के स्वागत की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसके लिए लखनऊ के वृंदावन क्षेत्र को देश-विदेश के उद्योगपति मेहमानों के लिए तैयार किया जा रहा है। इसमें 15 देशों से निवेशक आएंगे और जहां निवेश करने वाले हैं। इस समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद देश और विदेश के उद्योगपतियों को संबोधित करने वाले हैं। देश और विदेश के दिग्गज उद्योगपतियों की मौजूदगी में 13255 कंपनियां 20.96 लाख करोड़ से अधिक के निवेश का एमओयू करेंगी।

प्रदेश में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट तीन दिन चलेगी, लेकिन जी-20 की बैठकें लंबे समय तक चलने वाली है। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहने वाले हैं। इसके लिए 24 आईपीएस अधिकारी, 68 पीपीएस तथा 5415 अराजपत्रित अधिकारी, कर्मचारी लगाए गए हैं। एडीजी प्रशांत कुमार के अनुसार 10 से 12 फरवरी तक लखनऊ कमिश्नरेट में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन होना है। इसके अलावा 11 चरणों में कमिश्नरेट लखनऊ, आगरा, वाराणसी तथा गौतम बुद्ध नगर में 11 फरवरी से 27 अगस्त तक जी-20 की बैठकें होनी हैं। लखनऊ में जी-20 की बैठक 13 से 15 फरवरी तक है। इन सभी के लिए पुख्ता तैयारियां की गई हैं। सुरक्षा में एंटी ड्रोन सिस्टम के साथ कमांडो, अधिकारियों के अलावा 13 कंपनी पीएसी तथा 3 कंपनी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल तैनात किया गया है। इस आयोजन के लिए एटीएस स्पॉट टीमों को लगाया गया है। यूपी पुलिस की विशिष्ट ऑपरेशनल यूनिट्स जैसे एंटी टेररिस्ट स्क्वाड को अलर्ट करते हुए दुर्दांत अपराधियों, स्लीपिंग मॉड्यूल व माफिया तत्वों पर अभियान चलाकर कार्रवाई के लिए निर्देश दिए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, तो बवाल काटने लगा गुपकार गैंग, कार्रवाई नहीं रुकी तो हड़ताल और पथराव शुरू हो सकता है: आजाद

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई क्या शुरू हुई, गुपकार गैंग के नेताओं और जम्मू-कश्मीर को बरसों तक अंधेरे में रखने वाले नेताओं को अपनी राजनीति चमकाने का मौका मिल गया है। गुपकार गैंग के फारूख अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला हों या महबूबा मुफ्ती या फिर अपनी नई पार्टी बना कर जम्मू-कश्मीर में उसकी सियासी जड़ें जमाने में जुटे गुलाम नबी आजाद जैसे नेता, यह सभी जनता को भ्रमित करने और प्रशासन की ओर से चलाई जा रही मुहिम के खिलाफ माहौल बनाने में जुटे हुए हैं। बुलडोजर चलता देख महबूबा मुफ्ती को लग रहा है कि कश्मीर अफगानिस्तान बनता जा रहा है तो उमर अब्दुल्ला कथित रूप से अपने करीबी लोगों के खिलाफ कार्रवाई से भड़क गये हैं। वहीं डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी (डीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद भी जम्मू कश्मीर प्रशासन के अतिक्रमण विरोधी अभियान के खिलाफ सड़कों पर उतरे हुए हैं और जनता को भड़का रहे हैं। भड़काते भड़काते वह यहां तक कह गये कि यदि मकान और छोटी दुकानें गिरायी गयीं तो हड़ताल एवं पथराव की संस्कृति की वापसी हो सकती है।

हम आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजादी ने कहा है कि अतिक्रमण विरोधी अभियान से भ्रष्टाचार हो रहा है क्योंकि लोग यह सुनिश्चित करने के लिए राजस्व अधिकारियों को रिश्वत दे रहे हैं कि उनके नाम उन लोगों की सूची में नहीं आये जिन्होंने सरकारी जमीन का अतिक्रमण किया है। गुलाम नबी आजाद ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को गरीब लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचने देने का आश्वासन देने को लेकर धन्यवाद दिया, लेकिन मांग की है कि त्रस्त लोगों को राहत देने के लिए सरकारी आदेश जारी किया जाना चाहिए।

वहीं दूसरी ओर, महबूबा मुफ्ती दिल्ली पहुँची हुई हैं जहां एक दिन पहले वह राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों पर उतरीं। महबूबा मुफ्ती संसद तक मार्च करने के इरादे से बोट क्लब इलाके में पहुंचीं थीं जहां उनके दर्जनों समर्थक एकत्र हुए थे। उनके हाथों में तख्तियां थीं, जिन पर लिखा था, 'डराना-धमकाना बंद करो, 'स्टॉप बुलडोजिंग' (इमारतें ध्वस्त करना बंद करो)।'' पीडीपी प्रमुख जम्मू-कश्मीर में चलायी जा रही ''बुलडोजर नीति'' से विपक्षी दलों को अवगत कराना चाहती थीं। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को हिरासत में ले लिया तथा उन्हें और उनके समर्थकों को जंतर मंतर पर ले गयी। इसके बाद, प्रदर्शनकारी वहां से चले गये।

उधर, जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंद्र रैना ने कहा है कि किसी भी गरीब का घर नहीं उजाड़ा जायेगा और जिन लोगों ने सरकारी भूमि पर कब्जा किया है सिर्फ उन्हीं के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

उन्होंने कहा कि यह आश्वासन उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दिया है।

उधर, प्रशासन की इस मुहिम को जनसमर्थन भी बढ़ता जा रहा है। प्रवासी कश्मीरी पंडितों के एक संगठन ने सरकारी जमीन को वापस लेने के लिए जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा चलाये जा रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान का स्वागत किया है तथा इस केंद्रशासित प्रदेश में अलगाववाद को प्रोत्साहित करने में नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की भूमिका की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित करने की मांग की है। दूसरी ओर, श्रीनगर में नेशनल कांफ्रेंस के समर्थकों ने प्रेस इंक्लेव इलाके में प्रदर्शन कर बुलडोजर कार्रवाई को रोकने की मांग की। प्रभासाक्षी संवाददाता ने जब इन लोगों से बात की तो उन्होंने कहा कि किसी भी कार्रवाई से पहले प्रशासन की ओर से नोटिस नहीं दिया जा रहा है जोकि गलत है।

अमेरिका देने जा रहा है भारत को दुनिया का सबसे ताकतवर ड्रोन एमक्यू 9ए

– हिंद महासागर और एलएसी पर चीन की बंद होगी जबान

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। भारत के पड़ोसी दुश्मन पाकिस्तान और चीन के लिए यह अच्छी खबर नहीं है। दरअसल, अमेरिका भारत को दुनिया का सबसे ताकतवर ड्रोन देने जा रहा है। भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही एक पूर्ण रक्षा समझौता हो सकता है। इसके तहत भारत को अमेरिका से 18 सशस्त्र प्रेडेटर ड्रोन एमक्यू 9ए मिलने जा रहा है। अमेरिका के इस ड्रोन को दुनिया का सबसे शक्तिशाली ड्रोन बताया जाता है। भारतीय नौ सेना ने अमेरिका से पहले ही समुंद्र में निगरानी के लिए जनरल एटॉमिक्स द्वारा निर्मत दो सी गॉर्जियन एमक्यूएनवी ड्रोन लिव पर ले रखे हैं।

भारत को मिलने वाले 18 ड्रोन में से तीनों सेनाओं को छह-छह ड्रोन दिए जाएंगे। बता दें कि इस पूरे कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संभालने वाले हैं। पहले ये कार्यक्रम मार्च में होना था। लेकिन इसे अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है। इससे पहले नौसेना ने 30 ड्रोन की जरूरत बताई थी, जिसके लिए 3 अरब डॉलर की लागत का अनुमान लगाया गया था। हालांकि चीफ ऑफ स्टॉफ कमेटी ने समीक्षा के बाद इसकी संख्या को घटाकर 18 कर दिया था। भारत अब पूर्वी लद्दाख में महत्वपूर्ण न्योमा एडवांस लैंडिंग ग्राउंड (एएलजी) के उन्नयन को शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। न्योमा एएलजी को अपग्रेड करने में 230 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके तहत एयर स्ट्रिप को 2.7-किमी बढ़ाया जाएगा और हर तरह के संचालन के लिए तैयार किया जाएगा। न्योमा एएलजी 13,400 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित है और चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से 50 किलोमीटर से भी कम इसकी दूरी है। इसलिए सीमा सड़क संगठन द्वारा इसे पूरी तरह से अपग्रेड करने में तीन वर्किंग सेशन लगेंगे। परियोजना जिसमें निषिद्ध इलाके में फैलाव क्षेत्र, हैंगर और अन्य संबद्ध बुनियादी ढाँचे भी शामिल हैं। एक अधिकारी ने मीडिया को बताया कि 2025 के मध्य तक सब कुछ तैयार कर लेना है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

सूचना का अधिकार कानून का इस्तेमाल ''बचकाना जिज्ञासा संतुष्ट करने के लिए नहीं किया जा सकता

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

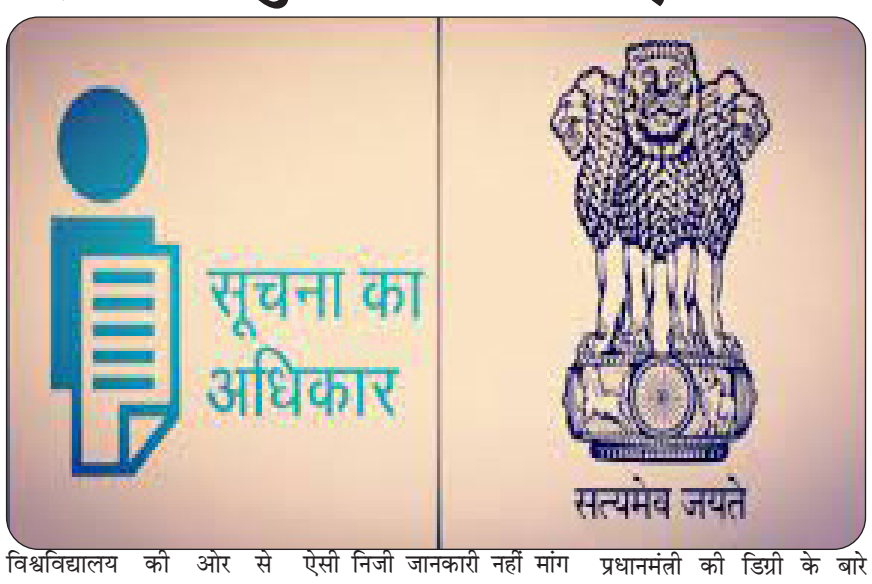

गुजरात विश्वविद्यालय ने हाईकोर्ट से कहा कि सूचना का अधिकार कानून का इस्तेमाल किसी की ''बचकाना जिज्ञासा को संतुष्ट करने के लिए नहीं किया जा सकता। विश्वविद्यालय ने याचिका दायर कर आरटीआई कानून के तहत प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री की जानकारी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उपलब्ध कराने के आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया है।

केंद्रीय सूचना आयोग के सात साल पुराने आदेश का पालन नहीं करने के लिए आरटीआई अधिनियम के तहत दिए गए अपवादों का हवाला देते हुए विश्वविद्यालय की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि केवल इसलिए कि कोई सार्वजनिक पद पर है, कोई व्यक्ति उनकी ऐसी निजी जानकारी नहीं मांग सकता है, जो उनकी सार्वजनिक जीवन/गतिविधि से संबंधित नहीं है।

तुषार मेहता ने दलील दी कि प्रधानमंत्री की डिग्री के बारे में जानकारी ''पहले से ही सार्वजनिक रूप पर उपलब्ध है और विश्वविद्यालय ने पूर्व में अपनी वेबसाइट पर विवरण भी पेश किया था। उन्होंने दावा किया कि आरटीआई का उपयोग विरोधियों के खिलाफ ''तुच्छ हमले करने के लिए किया जा रहा है।

हालांकि, केजरीवाल की ओर से पेश वकील ने कहा कि प्रधानमंत्री की डिग्री की जानकारी सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध नहीं है, जैसा कि मेहता दावा कर रहे हैं। वकील ने 'फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) द्वारा पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन के आवासों की तलाशी का भी उल्लेख किया और कहा कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है।

गुजरात में ठंड का एक और राउंड बाकी, बेमौसमी बारिश की भी संभावना

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

दोहरी ऋतु के बीच मौसम विभाग ने राज्य में फिर एक बार ठंड बढ़ने की भविष्यवाणी की है। साथ ही राज्य के कई हिस्सों में बेमौसमी बारिश भी हो सकती है। फिलहाल न्यूनतम तापमान कम और अधिकत्तम तापमान अधिक होने की वजह से राज्य में दोहरी ऋतु का अहसास हो रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक गुजरात में आगामी 72 घंटों के बाद तापमान घटेगा। तापमान बढ़ने की वजह राज्य में ठंड का प्रमाण घटा है, जिसकी वजह से दिन में गरमी और रात में ठंड लगती है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी 5 दिनों के दौरान दोहरी ऋतु का अहसास होगा। साथ ही आगामी 22 से 26 फरवरी के दौरान राज्य में मावठ की भी संभावना है। पिछले तीन-चार दिनों से राज्य में तापमान बढ़ने की वजह से ठंड का असर कम हुआ है और गरमी बढ़ी है। राज्य में कड़ाके की ठंड के बाद तीन-चार दिनों में पारा चढ़ने से गर्मी में वृद्धि हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक गुजरात में ठंड का एक और राउंड आना बाकी है। आगामी 13 फरवरी से राज्य के वातावरण में बदलाव की संभावना है।

9 महीनों में टिकट जांच से अहमदाबाद मण्डल ने 23.23 करोड़ रुपए जुर्माने के रूप में प्राप्ति किए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पश्चिम रेलवेके अहमदाबाद मण्डल के सभी अधिकृत यात्रियों को परेशानी मुक्त आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए मेल/एक्सप्रेस के साथ-साथ पैसेंजर ट्रेनों और हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में बिना टिकट/अनियमित टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को रोकने के लिए लगातार गहन टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। अहमदाबाद मण्डल द्वारा टिकिट जांच अभियान चलाये गए जिसमे 1 अप्रेल 2022 से 31 जनवरी 23 के मध्य मण्डल द्वारा 23.23 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया गया है जो कि गत वर्ष के मुक़ाबले से 65.30% अधिक है।

अंबाजी स्थित 51 शक्तिपीठ के दर्शनार्थियों को मिलेगी रोडवेज बस के किराये में 50 प्रतिशत छूट

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

51 शक्तिपीठों में से एक शक्तिपीठ अंबाजी उत्तर गुजरात के बनासकांठा जिले में है। बनासकांठा जिले की दांता तहसील स्थित अंबाजी के गब्बर पर 51 शक्तिपीठों के दर्शन किए जा सकते हैं। पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड ने दर्शनार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला किया है। इसके अंतर्गत 12 फरवरी 2023 से 16 फरवरी 2023 के दौरान अंबाजी के गब्बर पर 51 शक्तिपीठ परिक्रमा महोत्सव का आयोजन किया

गया है। इन पांच दिनों के दौरान राज्य के बनासकांठा, मेहसाणा, पाटन, साबरकांठा, अहमदाबाद, अरवल्ली और गांधीनगर जिलों से श्री 51 शक्तिपीठ परिक्रमा महोत्सव के पांच दिनों के दौरान अंबाजी दर्शन के लिए आज पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड की एक विशेष परिपत्र जारी किया गया है। जिसके मुताबिक यात्रियों की आयु 12 वर्ष या उससे अधिक होगी उन्हें राज्य परिवहन निगम की बसों में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। परिपत्र के मुताबिक रोडवेज की सुपर बस किराया (नोन एसी) में 50 प्रतिशत छूट मिलेगी। जिसमें 25 प्रतिशत रकम गुजरात पवित्र यात्रा विकास बोर्ड और 25 प्रतिशत रकम अंबाजी टेम्पल ट्रस्ट स्थानीय सहकारी संस्था व प्रायोजक वहन करेंगे। जबकि शेष 50 प्रतिशत रकम दर्शनार्थियों को देनी होगी। दर्शनार्थियों को यह लाभ 24 घंटे यानी एक दिन की यात्रा मर्यादा में मिलेगा। यात्रियों को इस योजना का लाभ पाने के लिए आधार कार्ड की जिरोक्स कॉपी पेश करनी होगी। इस योजना का लाभ 12 फरवरी से 16 फरवरी 2023 के दौरान ही यात्रियों को मिलेगा।